प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त–134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-213 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 27 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

यूपी के मरीजों को फटाफट मंजूरी, दूसरे राज्यों वालों को इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने में उत्तर प्रदेश के मरीजों को सामान्य तौर पर कुछ घंटों में स्वीकृति मिल जा रही है, लेकिन दूसरे राज्यों से मथुरा आने वाले मरीजों को इलाज शुरू कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अस्पतालों में दूसरे प्रदेशों के मरीजों के पूर्व में किए गए उपचार का भुगतान लंबित होने के कारण नई स्वीकृति प्रक्रिया प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। स्वीकृति मिलने के बाद ही अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत उपचार शुरू करते हैं।

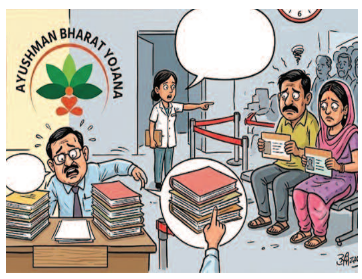

जिले के कई बड़े अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत किए गए उपचार का भुगतान पहले से लंबित बताया जा रहा है। इसका असर खासकर दूसरे राज्यों से आने वाले मरीजों पर

दूसरे राज्यों के मरीजों को स्वीकृति के लिए करना पड़ता है इंतजार

पुराने भुगतान लंबित, मंजूरी के बाद ही शुरू होता है उपचार

पड़ रहा है। मरीज अस्पताल पहुंचने के बाद उपचार की प्रक्रिया पूरी होने और स्वीकृति मिलने का इंतजार करते हैं। इस दौरान मरीज और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आंखों के चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि दूसरे राज्यों से आयुष्मान कार्ड पर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहती है। हालांकि, इन मरीजों के उपचार के भुगतान में अस्पतालों को काफी परेशानी होती है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले से आने वाले मरीजों की आयुष्मान स्वीकृति सामान्य तौर पर कुछ घंटों में मिल जाती है। पहले की तुलना में प्रक्रिया में काफी सुधार हुआ है। डॉ. रिंकी मित्तल ने बताया कि पहले आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने में कई तरह की दिक्कतें आती थीं, लेकिन अब स्थिति बेहतर हुई है। उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले के मरीज की स्वीकृति सामान्य तौर पर कुछ घंटों में मिल जाती है। सर्वर में तकनीकी समस्या होने पर ही इसमें देरी होती है।

उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों के मरीजों के पहले किए गए उपचार का भुगतान अभी भी लंबित है। अस्पतालों को भुगतान मिलने में होने वाली देरी के कारण ऐसे मरीजों के नए उपचार की स्वीकृति प्रक्रिया प्रभावित होती है। अस्पताल प्रबंधन स्वीकृति मिलने के बाद ही योजना के तहत उपचार शुरू करता है।

रसिक दुलारी की मौत ने आश्रमों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

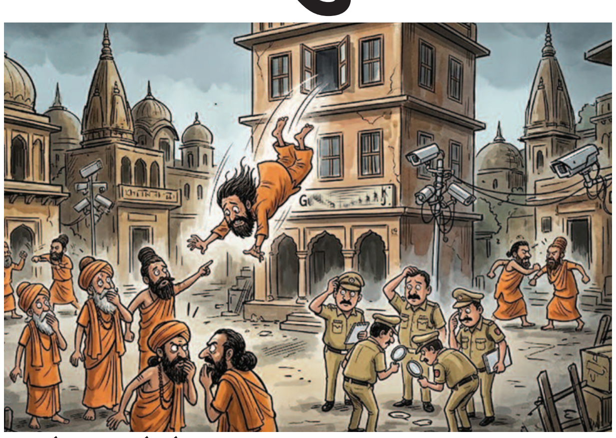

पुराने मामलों में हत्या और संदिग्ध मौतों का रिकॉर्ड आया सामने

सीसीटीवी और साक्ष्यों की जांच जारी, पुलिस सभी पहलुओं पर जुटी

2001 से अब तक सामने आते रहे कई मामले

किसी ने उठाना तो दूर, पुलिस को सूचना तक नहीं दी

यूनिक समय, मथुरा। चौथी मंजिल से सड़क पर गिरने के बाद वहां से साइकिल से गुजरते एक शिष्य सहित दूसरे लोगों ने सड़क पर खून से लथपथ पड़े रसिक दुलारी शरण को उठाने अथवा पुलिस को बताने तक की जहमत नहीं की। अगर उन्हें समय से उपचार मिल जाता तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

पोस्टमार्टम में प्राइवेट पार्ट पर मिले कट के निशान

यूनिक समय,मथुरा। संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक दुलारी शरण का पोस्टमार्टम दो डॉक्टरों के पैनल द्वारा किया गया। पोस्टमार्टम की वीडियो ग्राफी भी कराई गई। बताया गया कि पोस्टमार्टम में रिपोर्ट में रसिक दुलारी शरण के शरीर पर चोटों के निशान मिले जो उनके सिर, पैर और कमर में थे। इसके

पैनल ने किया पोस्टमार्टम हुई वीडियो ग्राफी

साथ ही उनके प्राइवेट पार्ट पर भी कट के निशान थे। पोस्टमार्टम की सारी कार्रवाई की वीडियो ग्राफी कराई गई। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवारीजनों को सौंप दिया गया था।

वायरल वीडियो से हो रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पुष्टि

यूनिक समय, मथुरा। रसिक दुलारी शरण की मौत का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में रसिक दुलारी तेजी से सड़क पर सिर के बल गिरते हैं, उनके गिरते ही पास सोता एक श्वान तेजी से भागता। एक साइकिल पर संत जाते दिखते हैं। पोस्टमार्टम में रसिक दुलारी की मौत का कारण सिर के बल गिरना रहा है, जो वीडियो में भी नजर आ रहा है।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्मनगरी को साधना, भक्ति और आश्रम परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। इसके बावजूद आश्रमों में साधु-संतों और साधकों की हत्या, हमले और संदिग्ध मौतों के मामले समय–समय पर सामने आते रहे हैं। 25 सितंबर को संत प्रेमानंद से जुड़े गुरु कृपा कुंज में साधक दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण की चौथी मंजिल से गिरकर हुई मौत ने एक बार फिर आश्रमों की सुरक्षा व्यवस्था और ऐसी घटनाओं की जांच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जबलपुर निवासी दीपक लोधी आश्रम परिसर में रहकर साधना कर रहे थे। 25 सितंबर की सुबह करीब 10:36 बजे उनके चौथी मंजिल से गिरने की घटना सामने आई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच कर रहे सीओ संदीप कुमार के अनुसार, घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। मौत के कारणों को लेकर आत्महत्या समेत सभी पहलुओं को जांच के दायरे में रखा गया है। परिजनों ने घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले संदिग्ध साक्ष्यों की भी जांच में शामिल किया जाएगा।

वृंदावन के आश्रमों से जुड़े पुराने मामलों का रिकॉर्ड खंगालने पर अलग–अलग वर्षों में साधुओं और आश्रम से जुड़े लोगों की मौत और हत्या के मामले सामने आते हैं। उपलब्ध विवरण के अनुसार, 2001 में रामलखन दास, 2002 में मनमोहन दास और 2005 में गौड़िया मठ के एक साधु की मौत का मामला सामने आया था। इसके बाद 2006 में रामदास त्यागी की हत्या, 2020 में आश्रम से जुड़े बालमुकुंद शास्त्री की हत्या और 2025 में साध्वी चंद्रमुखी देवी की हत्या का मामला चर्चा में रहा। अगस्त 2026 में भी आश्रम विवाद के बीच एक साधु की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया।

पुलिस के अनुसार, चंद्रमुखी देवी की हत्या संपत्ति विवाद से जुड़ी थी और शव को जलाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया था।

लगातार सामने आए मामलों के बीच आश्रमों में रहने वाले साधु–साधकों की सुरक्षा, प्रवेश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और आपसी विवादों की समय रहते जानकारी लेकर कार्रवाई करने की व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। अब रसिक दुलारी शरण की मौत की जांच महत्वपूर्ण है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि उनकी मौत आत्महत्या, हादसा या किसी अन्य कारण से हुई।

पूर्व सपा नेता अलीगढ़ से गिरफ्तार, कोतवाली लाई पुलिस

पुलिस हिरासत में राजन रिजवी।

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने सपा के पूर्व अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश के महासचिव (पार्टी से निष्कासित) को बैंक कर्मी महिला की रैकी करने और अश्लील मैसिज भेजने के मामले में क्वार्सी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व महासचिव रहे राजन रिजवी के खिलाफ एक बैंक में काम करने वाली महिला ने उन्हे अश्लील मैसिज भेजने, उनकी रैकी करने, बैंक में आने और आइएएस बनवाने आदि की बात कहकर परेशान करने की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी।

पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। राजन रिजवी मथुरा से बाहर चले गए थे। पुलिस और स्वाट टीम ने उनकी रिश्तेदारियों में दबिश दी। जानकारी के बाद पुलिस टीम ने गांव धार्माफाटी थाना क्वार्सी जिला अलीगढ़ में दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर कोतवाली ले आए।

इस बारे में सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि उनके खिलाफ महिला की रैकी कर उन्हें अश्लील मैसिज भेजने और रैकी करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। उनको थाना क्वार्सी जिला अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है।

गोली लगने से घायल युवक ने 14 वें दिन तोड़ा दम

यूनिक समय, फरह। गोली लगने से घायल युवक ने 14 वें दिन दम तोड़ दिया। परिजन घायल युवक का कई अस्पतालों में उपचार कराने के बाद जयपुर ले गए, जहां रविवार को युवक ने दम तोड़ दिया।

14 सितंबर को थाना क्षेत्र के गांव नगला फूलिया में लेनदेन को लेकर दो दोस्तों के बीच विवाद हो गया था। कहासुनी के दौरान आर्यन ने दोस्त शिव कुमार के सीने में गोली मार दी। गोली लगने से शिव कुमार गंभीर घायल हो गए। शिव कुमार के करीब 28 हजार रुपये आरोपी पर उधार थे। आर्यन रुपये मांगने उसके पास पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपी ने तमंचे से शिव कुमार पर गोली चला दी। गोली सीने में लगने से शिवकुमार घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपी ने ही पुलिस को मौके पर बुलाया और पूरी जानकारी दी। आगरा से परिजन घायल को जयपुर ले गए, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें

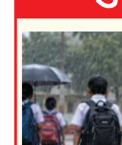

बरेली में बारिश का कहर, सोमवार को स्कूल और कॉलेज बंद
पेज–10 पर

छात्रा से दुष्कर्म और मौत की खबर पर एलपीयू में मचा बवाल
पेज–11 पर

शिक्षकों के एनपीएस एरियर पर गरमाया मुद्दा, आंदोलन तय
पेज–12 पर

आठ माह से अटकी पेंशन बुजुर्गों की बढ़ी टेंशन

राजीव भवन स्थित कार्यालय में पेंशन की जानकारी लेते बुजुर्ग।

तीन माह की किस्त भी नहीं मिली

बुजुर्गों और दिव्यांगों को प्रतिमाह एक हजार रुपये पेंशन मिलती है। इसका भुगतान तीन माह की किस्त में किया जाता है। विधवा पेंशनधारकों को तीन माह में 4500 रुपये मिलते हैं। इसके बावजूद इस साल अब तक लाभार्थियों को कोई किस्त नहीं मिली है। शनिवार को राजीव भवन पहुंचीं रामकली ने बताया कि इस साल खाते में पेंशन की एक भी किस्त नहीं आई। सुनीता ने बताया कि विधवा पेंशन के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ। शीला देवी ने कहा कि आठ माह से पेंशन का इंतजार कर रही हैं। बैंक से भी कोई जानकारी नहीं मिल रही, जबकि कार्यालय में जल्द भुगतान का आश्वासन दिया जा रहा है।

राज्य की 40 फीसदी राशि नहीं हुई जारी

विभागीय सूत्रों के अनुसार, पेंशन की धनराशि केंद्र और राज्य सरकार के हिस्से से आती है। केंद्र का हिस्सा 60 फीसदी और राज्य सरकार का हिस्सा 40 फीसदी है। केंद्र की ओर से धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है, लेकिन राज्य का हिस्सा नहीं मिलने के कारण पेंशन की किस्त जारी नहीं हो पा रही है।

जनवरी से खाते खाली ब्लॉक से राजीव भवन तक चक्कर

केंद्र का हिस्सा मिला राज्य की राशि नहीं आने से भुगतान अटका

यूनिक समय, मथुरा। जिले में पेंशन के सहारे जीवनयापन करने वाले बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की मुश्किल बढ़ गई है। करीब एक लाख से अधिक पेंशनधारकों को बीते आठ माह से पेंशन की किस्त का इंतजार है। जनवरी से खाते में पेंशन नहीं पहुंचने के कारण जरूरतमंद सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। ब्लॉक से लेकर राजीव भवन तक पहुंचने वाले पेंशनधारकों को हर बार जल्द भुगतान का आश्वासन देकर लौटा दिया जाता है। जिले के 10 विकासखंडों में करीब एक लाख से अधिक पेंशनधारक हैं। इनमें लगभग 68 हजार वृद्धावस्था पेंशन पाने वाले बुजुर्ग हैं। इसके अलावा दिव्यांग और निराश्रित महिलाएं भी पेंशन पर निर्भर हैं। इन लाभार्थियों के लिए पेंशन रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का महत्वपूर्ण सहारा है, लेकिन लंबे समय से भुगतान नहीं होने से आर्थिक परेशानी बढ़ रही है।

ब्रह्मांड घाट पर स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान के दौरान श्रमदान करते स्वयंसेवक।

ब्रज वैभव अभियान के तहत श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों को स्वच्छ-सुंदर बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे ब्रज वैभव अभियान के तहत गोकुल स्थित ब्रह्मांड घाट पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। हार्टफुलनेस संस्था की ओर से उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से आयोजित अभियान में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। अभियान की शुरुआत स्वयंसेवकों के सामूहिक ध्यान से करते हुए ब्रह्मांड घाट और आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर कचरा एकत्र किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकने और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि ब्रज की स्वच्छता हम सभी की जिम्मेदारी है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद से चंद्रिका यादव,विशाल, संदीप खन्ना, पी.एन. तिवारी, जितेंद्र पाल सिंह, संजय शर्मा, आर.वी. सिंह, योगेंद्र सिंह और निष्ठा पाठक सहित अनेक स्वयंसेवक एवं सेवाभावी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुफा से होकर पहुंचे श्रद्धालु, किए ब्रह्मा जी के दर्शन

भव्य दरबार में हुआ विशेष श्रृंगार, श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

रात में राधा-कृष्ण झांकी ने बांधा समां, गूंजे भक्ति गीत

फूल बंगले में विराजमान ब्रह्मा जी।

मंदिर में हवन करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, चौमुहां। ब्रह्मा जी मेले पर ब्रह्मा जी मंदिर में दिनभर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। सुबह से ही ब्रह्मा जी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही।

मेले के लिए मंदिर के सामने विशेष गुफा तैयार की गई थी। श्रद्धालु इसी गुफा से होकर मंदिर परिसर में पहुंचे। गुफा से गुजरते समय श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। मंदिर में ब्रह्मा जी का विशेष श्रृंगार कर भव्य दरबार सजाया गया। मंदिर परिसर में हवन-यज्ञ का आयोजन पंडित हेमंत शर्मा के सानिध्य में हुआ।

यजमान जौली वार्ष्णेय के परिवार ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भाजपा नेता भानु प्रताप सिंह ने हवन में पूर्णाहुति दी। महंत धनीराम बाबा ने श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना कराई। पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

रात्रि में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई। कलाकारों ने राधा-कृष्ण के स्वरूप में नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु देर रात तक जुटे रहे। भक्ति गीतों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। इस दौरान चेयरमैन सुषमा सिसोदिया, कारे बाबा, कृष्णा, प्रताप सिंह, नंदिनी, राम सिंह, बाबू कंडेक्टर, रैतान सिंह, बिहारीराम पहलवान, डब्बू, गीता, पंचम, बॉबी, अट्टे और विन्नी सेठ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बरसाना में प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा की तैयारियां तेज

यूनिक समय, बरसाना। प्रेम सरोवर के समीप गाजीपुर संकेत मध्य क्षेत्र के मैदान में 28 सितंबर से 4 अक्टूबर तक पंडित प्रदीप मिश्रा की श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। कथा को लेकर आयोजकों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाओं का जायजा लेना शुरू कर दिया है।

एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार और एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने कथा स्थल का निरीक्षण कर पंडाल, मंच और श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्तों की जानकारी ली। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात, पार्किंग, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

प्रशासन का जोर कथा स्थल के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और भीड़ को नियंत्रित करने पर है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया है। आयोजकों के साथ समन्वय कर सुरक्षा और सुविधा संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

नौका विहार दीपदान महोत्सव और श्री श्याम संकीर्तन 29 को

यूनिक समय, मथुरा। श्री श्याम लाडला परिवार के तत्वावधान में नौका विहार दीपदान महोत्सव और श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन 29 सितंबर को शाम छह बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम अग्र वाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड पर होगा।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में श्री श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। अखंड ज्योति, अलौकिक श्रृंगार और भजन संकीर्तन का आयोजन होगा।

विश्व विख्यात भजन गायिका अनामिका शर्मा जयपुर, भजन गायक अंकित लवानिया और तान्या शर्मा वृंदावन सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति देंगे। श्री श्याम मंदिर मथुरा के महंत भवानी गिरी की भी उपस्थिति रहेगी। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की है।

दीनदयाल धाम मेले की तैयारियां तेज, समिति ने बनाई रणनीति

दीनदयाल मेला के पोस्टर का विमोचन करते पदाधिकारी आदि।

सात से दस अक्टूबर तक आयोजित होगा चार दिवसीय स्मृति महोत्सव

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अंत्योदय और स्वावलंबन पर होगा जोर

यूनिक समय, फरह। रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि दीनदयाल धाम में सात से अक्टूबर को आयोजित होने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव-मेले की तैयारियों को लेकर पं. दीनदयाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मेला समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मेले की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की और सुझाव रखे।

मेला समिति के अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा ने बताया कि दीनदयाल धाम में आयोजित होने वाला मेला इस वर्ष भी चार दिन चलेगा। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, विचार गोष्ठी, रसिया दंगल और कवि सम्मेलन सहित विभिन्न आयोजन होंगे। मेला कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक ने कहा कि मेले को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं।

दीनदयाल स्मारक के निदेशक सोनपाल ने बताया कि बैठक में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ गोपालन, गोसंरक्षण और संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और जैविक खेती जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय, रोजगार, स्वावलंबन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और सामाजिक समरसता के विचारों को प्रमुखता दी जाएगी।

बैठक में संरक्षक डॉ. रोशन लाल, अशोक टैंटीवाल, शिव शंकर शर्मा, भीकम चंद दुबे, अनुप चौधरी, अशोक शर्मा, राजेंद्र शर्मा, शोभाराम शर्मा, सुल्तान सिंह आदि ने मेले को भव्य और बेहतर बनाने को सुझाव रखे। इस दौरान राम पाठक, प्रधानाचार्य लोकेश्वर प्रताप सिंह, चितामणि, राजदर्शन पचौरी, भवानी शंकर पचौरी, पारस ठाकुर, नरेंद्र शर्मा ओल, ब्रजेश पचौरी, बबीता पाठक और कमलेश चौहान, मान सिंह राना सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संचालन समिति के मंत्री मनीष अग्रवाल ने किया।

सार संक्षेप

चोरी के पर्स और चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, वृंदावन। पुलिस ने गश्त के दौरान बिरजु निवासी गोरा नगर को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से चोरी का पर्स, 570 रुपये, पहचान संबंधी दस्तावेज, मोबाइल फोन और लोहे का चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रायल धाम से मोटरसाइकिल चोरी

यूनिक समय, वृंदावन। रायल धाम से मोटरसाइकिल चोरी हो गई। कमल सिंह 19 सितंबर को बिजली फिटिंग का काम करने पहुंचे थे। उन्होंने मोटरसाइकिल धाम के बाहर खड़ी की थी। काम पूरा होने पर वाहन गायब मिला। शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में युवक घायल, चार लोगों पर आरोप

यूनिक समय, बरसाना । बरसाना के चिकसौली गांव में भोला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत के अनुसार, श्यामसुंदर अपने भाइयों सत्तन, नैमा और दीना के साथ लाठी-डंडे व सरिया लेकर पहुंचा। आरोप है कि श्यामसुंदर ने भोला के सिर पर ईंट मारी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शेरगढ़ पुलिस ने भैंसा चोर दबोचा

यूनिक समय,मथुरा। थाना शेरगढ़ पुलिस ने भैंसा चोरी करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाने में छह जुलाई को लोहरारी माता मंदिर से एक भैंसा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच की तो भैंसा चोरी करने वाले का नाम राहुल निवासी सामोली थाना सुरीर का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने राहुल को लोहरारी माता मंदिर से गांव गांगरौली को जाने वाले रास्ते के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

पीएसी के जवान की कैंसर से हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाने के गांव सांचौली में रहने वाले पीएसी के जवान की कैंसर से मौत हो गई। परिवार के लोग गहरे शोक में हैं। सांचौली निवासी अवतार सिंह(32) पुत्र होशियार सिंह पीएसी की 15 बटालियन पीएसी आगरा में तैनात था। बताया गया कि वह 2019 में पीएसी में भर्ती हुआ था। उसकी शादी हो चुकी थी। दो साल से वह कैंसर की बीमारी से पीड़ित था। बीमारी के चलते दो साल से उसका इलाज चल रहा था। दिल्ली में इलाज के दौरान कल रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

कोटवन में खूनी संघर्ष थार पर फायरिंग

युवक का पैर टूटा मारपीट के बाद घायल को ले जाते समय चौराहे पर चलीं गोलियां

दो लोग बाल-बाल बचे जांच में जुटी पुलिस

घायल युवक।

गोली से थार कार के शीशे में हुआ छेद।

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव कोटवन में शनिवार शाम मारपीट और फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई। आरोप है कि दबंगों ने पहले एक युवक को घेरकर लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उसका पैर टूट गया। परिजन घायल को थार गाड़ी से अस्पताल ले जा रहे थे। इसी दौरान गांव के मुख्य चौराहे पर आरोपियों ने थार को रोककर फायरिंग कर दी। गोली गाड़ी के पिछले शीशे को चीरती हुई निकल गई। गाड़ी में सवार दो लोग बाल-बाल बच गए।

पीड़ित ब्रिज किशोर पुत्र मोहनराम निवासी कोटवन ने बताया कि वह कंपनी से लौट रहा था। शिवा ढाबे के पास रोहित पुत्र जिले प्रधान, मनोज पुत्र श्यामलाल और मोहन पुत्र लखो ने अपने साथियों के साथ उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर घायल कर दिया।

ब्रिज किशोर के भाई धर्मेंद्र ने बताया कि वह भतीजे के साथ घायल भाई को उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहा था। गांव के मुख्य चौराहे पर आरोपियों ने थार को रोक लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से थार का पिछला शीशा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इसके बाद आरोपी हथियार लहराते हुए जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले।

परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने एक बाइक सवार पर भी तीन फायर किए। घटना चौराहे और पुलिस चौकी के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात कही जा रही है। पीड़ित परिवार ने फुटेज सुरक्षित कर आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है। पुलिस के अनुसार, तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

लापता किशोरी का शव कुंड में मिला

चार दिन से थी लापता परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के गांव सतोहा में चार दिन से अचानक घर से गायब हुई किशोरी का शव घर के समीप स्थित कुंड में मिला। किशोरी का शव कुंड में मिलने से गांव में हड़कंप मच गया।

सतोहा गांव में शांतनु बिहारी मंदिर के पास बने कुंड में शव तैरता देख ग्रामीणों की भीड़ लग गई। चार दिन से लापता किशोरी के परिवार को भी इस बारे में बताया गया। पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया। किशोरी के शव को देख कर परिवार में कोहराम मच गया। परिवारीजनों का कहना है कि चार दिन से किशोरी अचानक लापता थी। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई थी। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने इस मामले में शनिवार को किशोरी की गुमशुदगी दर्ज की। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। परिवार के लोगों का कहना है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नही है। उनके द्वारा किसी पर कोई शक जाहिर नहीं किया गया है।

एटीएम कार्ड बदल कर निकाले तीन हजार रुपये

शक होने पर युवक ने भागते गैंग के एक युवक को पकड़ा

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दूसरे साथियों की तलाश शुरू की

यूनिक समय मथुरा। एटीएम कार्ड बदल कर एटीएम से पैसा निकालने वाले एक गैंग के एक सदस्य को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। उसके साथी स्विफ्ट कार से मौके से भाग गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

बताया गया कि कल सायं चार बजे कृष्णाधाम कॉलोनी यमुनापार में रहने वाला युवक अभिषेक अपने दादा जी के एटीएम से रुपये निकालने के लिए माता वाली गली स्थित एटीएम पर आया था।

एटीएम के अंदर इसी बीच दो-तीन अज्ञात लोग आ गए। उन्होंने धोखाधड़ी करते हुए उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और तीन हजार रुपये भी निकाल लिए। कुछ देर बाद उसने अपना एटीएम कार्ड देखा तो एटीएम उसके दादाजी का न होकर धर्मेंद्र नामके व्यक्ति का था। इस पर उसने तुरंत बाहर निकल कर पैसे निकाल कर कार में बैठते एक युवक को पकड़ लिया। युवक ने एटीएम कार्ड कार में फैंक दिया।

उसके दोनों साथी स्विफ्ट कार से भाग गए। शोर करने पर स्थानीय लोगों ने भी उसका सहयोग किया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को थाने ले गई। पुलिस ने अभियुक्त प्रदीप निवासी गोपी खेड़ा थाना चांदहट जिला पलवल हरियाणा बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ अभिषेक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसके भागे साथियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

सड़क दुर्घटनाओं में दो बाइक सवारों की मौत

कंजौली घाट पर ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

बस की टक्कर से एक की मौत दूसरा गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के कंजौलीघाट उत्तरी बाइपास यमुना पल पर आज प्रातः बाइक से आगरा जा रहे एक युवक को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कल सायं सदर बाजार क्षेत्र में रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मारदी। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरे की हालत भी नाजुक बनी हुई है।

बताया गया कि गांव मड़ौरा निवासी नेत्रपाल पुत्र साहब सिंह पशुओं की बीमारियों का इलाज करता था। वह आज प्रातः पशुओं की बीमारी से संबंधित दवा लेने के लिए आगरा जा रहा था। वह जैसे ही कंजौली घाट उत्तरी बाइपास पर पहुंचा उसे पीछे से आते ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां गुजरते लोगों में से उसके गांव के किसी व्यक्ति ने उसे पहचान लिया। उसके साथ हुए हादसे की सूचना परिवारीजनों को दी। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी दुर्घटना कल सायं सदर बाजार तिराहे से आगे हुई। बताया गया कि धोबीपाड़ा सदर बाजार निवासी पप्पन(52) कल सायं सदर बाजार में रहने वाले युवक इस्लाम के साथ शहर से सामान लेने गया था। दोनों सिलाई का काम करते हैं। शहर से बाइक पर लौटने के दौरान सदर अड्डे से कृष्णापुरी को जाने वाले रोड पर मथुरा की ओर से तेज गति से आती रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पप्पन और इस्लाम गंभीर रुप से घायल हो गए। दोनों घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में पप्पन को मृत घोषित कर दिया। इस्लाम की गंभीर हालत होने पर उसे सिम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने पप्पन के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक अन्य घटना में टैंक चौराहे के समीप बाइक सवार युवक पुरुषोत्तम निवासी बीएसए कालेज रोड को स्विफ्ट डिजायर कार ने टक्कर मार दी। पुलिस ने घायल पुरुषोतम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हड़ताल से पहले रविवार को खुले बैंक, ग्राहकों की भीड़

सौंख रोड पर रविवार को खुली स्टेट बैंक शाखा।

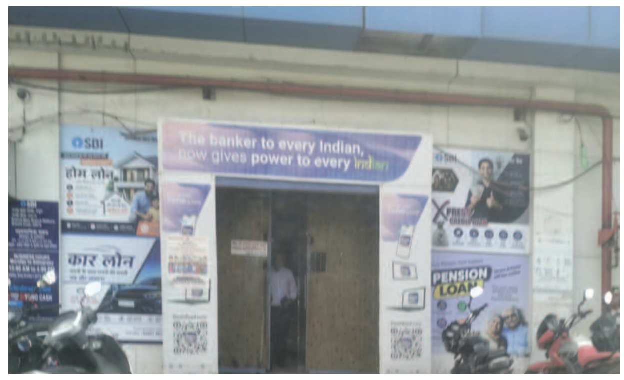
अवकाश के दिन स्टेट बैंक में कामकाज करते कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले रविवार को जिले की प्रमुख बैंक शाखाएं अवकाश के दिन भी खुलीं। ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए बैंक कर्मचारियों ने विशेष व्यवस्था के तहत कामकाज संभाला। स्टेट बैंक की चौहारा और सौंख रोड शाखाओं सहित अन्य शाखाओं में सुबह से ही ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

तीन दिवसीय हड़ताल के मद्देनजर अवकाश में निपटाए जरूरी बैंकिंग कार्य

करोड़ों रुपये के दैनिक लेनदेन पर पड़ सकता है हड़ताल का असर

अवकाश के बावजूद बैंक पहुंचने वाले ग्राहकों ने नकद जमा-निकासी, चेक संबंधी कार्य और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाए। हड़ताल के दौरान लगातार तीन दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए कई ग्राहक अपने जरूरी वित्तीय काम पहले ही पूरा करने पहुंचे। बैंक शाखाओं में दिनभर चहल-पहल बनी रही।

स्टेट बैंक के उप प्रबंधक हिमांशु शर्मा ने बताया कि बैंक कर्मचारियों की मांगों को लेकर 28 सितंबर से तीन दिवसीय हड़ताल प्रस्तावित है। ग्राहकों को संभावित परेशानी से बचाने के लिए रविवार को शाखाएं खोलकर जरूरी काम निपटाए गए।

उन्होंने बताया कि हड़ताल के दौरान एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रहेंगी, हालांकि कुछ बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

बैंक अधिकारियों के अनुसार, तीन दिवसीय हड़ताल के कारण जिले में करोड़ों रुपये के दैनिक लेनदेन पर असर पड़ने की संभावना है। रविवार को अतिरिक्त कामकाज के जरिए लंबित और जरूरी बैंकिंग कार्यों को निपटाने का प्रयास किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में 32 यूनिट रक्तदान

यूनिक समय, चौमुहां। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा नेता भानु प्रताप सिंह की ओर से अकबरपुर में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में युवाओं और स्थानीय लोगों ने 32 यूनिट रक्तदान किया।

भानु प्रताप सिंह ने कहा कि रक्तदान से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों को मदद मिल सकती है। उन्होंने लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अकबरपुर में युवाओं और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम में कृष्ण मुरारी शर्मा, निकेश चोरसिया, नीलू सोनी, तनिष्क, उमेश, ब्रजेश शर्मा, सुनील राणा, विष्णु वकील, राहुल ठाकुर, गोपाल सिंह, शिवम बघेल, हरिओम, टीकम, दिगंबर सिंह, दीपक और जितेंद्र गौर आदि मौजूद रहे।

वार्ड 30 में सीटीयू की सफाई सौंदर्यीकरण की तैयारी

पार्षद चंदन आहूजा ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

कूड़ा प्वाइंटों पर वॉल पेंटिंग से बदलेगा स्वरूप

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत वार्ड नंबर 30 कृष्णा नगर में रविवार को सीटीयू (स्वच्छता लक्षित इकाई) की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया। पार्षद चंदन आहूजा के नेतृत्व में कृष्णा नगर मंदिर के बाहर खाली प्लॉट, रामलीला ग्राउंड की बाउंड्री और कॉर्नर, मोती मंजिल के खाली प्लॉट, राधिका विहार फेस-2 और शंकर विहार स्थित कूड़ा प्वाइंटों की सफाई कराई गई।

पार्षद चंदन आहूजा ने बताया कि इन स्थानों पर लोग लगातार कूड़ा डालते हैं, जिससे छोटे कूड़ा प्वाइंट धीरे-धीरे बड़े ढेर में बदल जाते हैं, ढलावघर जैसी स्थिति बन जाती है। इसी को देखते हुए चिन्हित सीटीयू की सफाई कराई गई। अभियान के बाद पार्षद ने नगर आयुक्त से वार्ता की और नगर स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र भेजकर सभी चिन्हित सीटीयू के सौंदर्यीकरण और वॉल पेंटिंग कराने का अनुरोध किया। उनका कहना है कि आकर्षक वॉल पेंटिंग से इन स्थानों का स्वरूप बदलेगा और लोगों को दोबारा कूड़ा डालने से रोकने में भी मदद मिलेगी।

पितृ पक्ष शुरू होते ही थमी यात्रियों की रफ्तार

रोडवेज को पहले दिन करीब पांच लाख रुपये का नुकसान

रेलवे के राजस्व में भी करीब चार लाख की कमी

यूनिक समय, मथुरा। पितृ पक्ष शुरू होते ही यात्रियों की आवाजाही में कमी दिखाई देने लगी है। रविवार को बस अड्डे और रेलवे जंक्शन पर सामान्य दिनों की अपेक्षा कम भीड़ नजर आई। बसों और ट्रेनों में कई सीटें खाली दिखाई दीं।

पितरों के प्रति श्रद्धा और परंपराओं के चलते लोग इन दिनों अनावश्यक यात्रा से बच रहे हैं, जिसका असर सार्वजनिक परिवहन के राजस्व पर भी पड़ा।

रोडवेज के अनुसार, पितृ पक्ष के पहले दिन यात्रियों की संख्या कम होने से टिकट बिक्री प्रभावित हुई और करीब पांच लाख रुपये के राजस्व की कमी आई। सामान्य दिनों में बस अड्डे पर टिकट के लिए भीड़ और बसों में सीट के लिए मारामारी रहती है, लेकिन रविवार को स्थिति अलग रही।

रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पसरा सन्नाटा।

मथुरा जंक्शन पर भी यात्रियों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम रही। ट्रेनों में सामान्य दिनों जैसी भीड़ नहीं दिखी। इससे रेलवे के यात्री राजस्व में करीब चार लाख रुपये की कमी आने की बात सामने आई।

माना जा रहा है कि पितृ पक्ष के दौरान यात्रियों की संख्या में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

मारपीट कर मोबाइल छीना, दी जान से मारने की धमकी

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में नौकरी से घर लौट रहे दयानंद के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 17 मई की रात करीब 10:30 बजे वृंदापुरम कॉलोनी के सामने बिना नंबर की गाड़ी से कृष्णा निवासी पैगांव समेत 4-5 अज्ञात लोग उतरे और उसे घेरकर सरिया- लाठी से मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में हाथ, पैर, पसलियों और जबड़े में चोटें आईं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिज्जा-बर्गर का स्वाद, कम उम्र में लिवर बीमार

फास्ट फूड और बिगड़ी दिनचर्या से बढ़ रहा फैटी लिवर

जिला अस्पताल की ओपीडी में रोज पहुंच रहे 35 से 40 मरीज

यूनिक समय, मथुरा। पिज्जा, बर्गर, चाउमीन और मोमोज का बढ़ता चलन अब बच्चों और युवाओं की सेहत पर भारी पड़ रहा है।

स्वाद के लिए लगातार फास्ट फूड का सेवन, घंटों बैठे रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी से कम उम्र में ही फैटी लिवर की समस्या सामने आने लगी है।

बढ़ता वजन और खानपान में लापरवाही इस परेशानी को और बढ़ा रही है।

जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि जनरल फिजिशियन की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 200 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें लगभग 35 से 40 मरीजों में फैटी लिवर की समस्या सामने आ रही है।

इनमें बच्चों और युवाओं की संख्या भी चिंताजनक है। अधिक तेल-मसाले वाला भोजन, जंक फूड और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

घर के भोजन से दूरी, पैकेट वाले खाने पर जोर

डॉ. रवि माहेश्वरी के अनुसार, बदलती जीवनशैली ने बच्चों की भोजन की आदतों में बड़ा बदलाव किया है। पौष्टिक और घर के बने भोजन की जगह फास्ट फूड तेजी से ले रहा है। मीठे पेय पदार्थ, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ और तले-भुने सामान का अधिक सेवन वजन बढ़ाने के साथ लिवर पर भी असर डाल सकता है। लगातार बैठकर मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य स्क्रीन देखने की आदत शारीरिक गतिविधि को और कम कर रही है।

खानपान सुधारें, रोज करें व्यायाम

फैटी लिवर से बचाव के लिए खानपान और दिनचर्या में बदलाव जरूरी है। जंक फूड और तले-भुने खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करने के साथ हरी सब्जियां, दाल और सलाद को भोजन में शामिल करना चाहिए। बच्चों को घर का पौष्टिक भोजन देने पर जोर दिया गया है। रोजाना कम से कम 30 मिनट पैदल चलने या व्यायाम करने की आदत भी लाभकारी हो सकती है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर, 135 श्रमिकों का परीक्षण

एटीवी प्रोजेक्ट में आयोजित शिविर में श्रमिकों को मिला स्वास्थ्य परामर्श

यूनिक समय, मथुरा। श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान के लिए रविवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत एटीवी प्रोजेक्ट में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 135 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने श्रमिकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित शिविर में एटीवी प्रोजेक्ट के निदेशक आरके शर्मा, मानव संसाधन प्रबंधक एके शर्मा और चेतना सिंह मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक।

निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मथुरा से डॉ. रजत दुबे, फार्मासिस्ट अनुपम और दिलीप ने श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। राज्य कर्मचारी बीमा निगम की ओर से अभिनव शर्मा अपने सहयोगियों के साथ शिविर में उपस्थित रहे। श्रम विभाग की ओर से सहायक श्रमायुक्त राजकुमार सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी हंसराज और प्रकाश चंद ने भी शिविर में सहभागिता की।

बेहतर काम करने वाली पंचायतों को मिलेगा 50 लाख का पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। विकास के विभिन्न मानकों पर बेहतर काम करने वाली ग्राम पंचायतों को अब मुख्यमंत्री विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पंचायती राज विभाग ने इस योजना के तहत राज्य स्तर पर चयनित प्रत्येक ग्राम पंचायत को 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की व्यवस्था की है। कुल 10 श्रेणियों में एक-एक ग्राम पंचायत का चयन किया जाएगा।

पुरस्कार के लिए निर्धारित श्रेणियों में घर-घर कचरा संग्रहण, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पंचायत की स्वयं की आय बढ़ाने, प्लास्टिक मुक्त-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से सार्वजनिक सेवाएं

उपलब्ध कराने वाली पंचायतें शामिल हैं। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण-जैव विविधता संवर्धन, 'मेरा तालाब मेरी योजना' में उत्कृष्ट कार्य, महिला नेतृत्व-सहभागिता, आधार केंद्रों के माध्यम से सेवाएं और सर्वाधिक जैविक कृषि करने वाली पंचायतों को भी पुरस्कार के लिए शामिल किया गया है।

10 श्रेणियों में होगा चयन, प्रत्येक श्रेणी से एक पंचायत को सम्मान

30 सितंबर तक आवेदन, जिला-मंडल स्तर पर होगा सत्यापन

एक ग्राम पंचायत केवल एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगी। चयन प्रक्रिया के पहले चरण में पंचायतों को 20 अंकों की प्रश्नावली भरनी होगी। इसमें कम से कम 60 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली पंचायतों को अगले चरण में 80 अंकों की विशेष प्रश्नावली भरने का अवसर मिलेगा।

आवेदन प्राप्त होने के बाद जिला और मंडल स्तर पर गठित टीमें पंचायतों के दावों और उपलब्धियों की जांच और स्थलीय सत्यापन करेंगी। इसके बाद चयन की अंतिम प्रक्रिया राज्य स्तर पर पूरी की जाएगी। विभाग का उद्देश्य पंचायतों के बीच बेहतर कार्य और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। जिला पंचायती राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष पुरस्कार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक ग्राम पंचायतें 30 सितंबर तक आवेदन कर सकती हैं।

दुवासु में आयोजित कार्यक्रम में शामिल आचार्य और विद्यार्थी।

दुवासु में पहली बार गूंजा तरंग, सजे सांस्कृतिक रंग

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में पहली बार विश्वविद्यालय स्तर पर नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए तीन दिवसीय 'तरंग-2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीन दिन चले आयोजन में विश्वविद्यालय के चारों संघटक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। औपचारिक उद्घाटन

चारों महाविद्यालयों के नवागंतुक विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मिस्टर-मिस फ्रेशर चयन के साथ तीन दिवसीय आयोजन संपन्न

समारोह की अध्यक्षता-मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ. अभिजित मित्र मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। चारों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अगले दिन जैव प्रौद्योगिकी और डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियां दीं। दोनों महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। शनिवार को पशु चिकित्सा विज्ञान-पशुपालन और मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समापन समारोह का आकर्षण 'मिस्टर फ्रेशर-2026' और 'मिस फ्रेशर-2026' का चयन रहा। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कोतवाली में हुई जान लेवा हमले की रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के अध्यक्ष के प्रयास पर मंदिर में पूजा कर लौट रहे सैनी समाज के परिवार पर किए गए जानलेवा हमले की रिपोर्ट कोतवाली में हमलावरों के खिलाफ दर्ज हुई।

महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि आस्था सैनी पत्नी पवन सैनी और चार साल के बच्चे के साथ मंदिर में दर्शन करके लौट रही थी। उनके पड़ोसी भगवान चतुर्वेदी आदि ने उनके साथ मारपीट कर जालेवा हमला किया था। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। अध्यक्ष के प्रयास पर कल इस मामले में कोतवाली में हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो सकी।

गैंगस्टर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त लविश निवासी श्यामनगर रेलवे कॉलोनी लुधियाना पंजाब गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे दुर्गा माता मंदिर तिराहा डिवीजन पांच के पास लुधियाना पंजाब से गिरफ्तार किया है।

दसलक्षण महापर्व के समापन पर निकली भव्य शोभायात्रा

दसलक्षण महापर्व के समापन पर निकाली गई शोभायात्रा में शामिल जैन समाज के लोग।

यूनिक समय, कोसीकलां। दसलक्षण महापर्व के समापन पर रविवार को सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से क्षमावाणी महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जगह-जगह व्यापारियों और नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

दोपहर में प्राचीन पांडे वाले जैन मंदिर से बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा शुरू हुई। सबसे आगे धर्म ध्वज और भगवान महावीर का सुसज्जित रथ चल रहा था। श्रद्धालु अहिंसा परमो धर्म और उत्तम क्षमा के जयघोष करते हुए चल रहे थे। विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भगवान पार्श्वनाथ पर हुए उपसर्ग और पावन तीर्थ सम्मेद शिखर की झांकी ने श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा।

शोभायात्रा के बाद धर्मशाला में जैन समाज के लोगों ने एक-दूसरे

क्षमावाणी पर्व पर जैन समाज ने दिया अहिंसा का संदेश

शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

के गले मिलकर पुराने गिले-शिकवे भुलाए। सभी ने हाथ जोड़कर 'मिच्छामि दुक्कड़म' कहकर वर्षभर में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा मांगी। शोभायात्रा में पूर्व चेयरमैन नरेंद्र गुर्जर, कैलाशचंद जैन चंदोरिया, संजीव जाबिया, पूर्व चेयरमैन भगवत प्रसाद रुहेला, प्रवीन जैन, सभासद मनीष जैन, सभासद टिंकुर अग्रवाल, कैलाशचंद जैन सराफ, ऋषभ जैन, चंद्रप्रकाश जैन, राजेंद्र जैन, विमल जैन, नरेंद्र शर्मा, राहुल भार्गव, कृष्णा सैनी सहित जैन समाज के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर जंक्शन पर चला स्वच्छता अभियान

विश्व पर्यटन दिवस पर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते रेलवे के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यटन दिवस पर रविवार को मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता और यात्री जागरूकता अभियान चलाया गया। 'स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 'क्लीन टूरिस्ट एंड हेरिटेज रेलवे साइट्स' थीम पर हुए इस अभियान में यात्रियों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को स्टेशन साफ रखने का संदेश दिया गया। उप निरीक्षक सुजीत सिंह चंदेल के नेतृत्व में रेल सुरक्षा बल के कर्मचारियों ने वाणिज्य विभाग की टीम के साथ मिलकर यात्रियों को जागरूक किया।

आरपीएफ और रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों पर्यटकों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

यात्रियों से कहा गया कि स्टेशन परिसर और ट्रेन में कूड़ा-कचरा न फैलाएं। कूड़ा हमेशा डस्टबिन में ही डालें और रेलवे परिसर को साफ रखने में सहयोग करें। अभियान के दौरान स्टेशन डायरेक्टर, मथुरा जंक्शन और सहायक सुरक्षा आयुक्त आदि स्टाफ मौजूद रहा।

फार्मेसी विद्यार्थियों ने क्विज, मॉडल से दिखाई प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के कॉलेज ऑडिटोरियम में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने क्विज, विज्ञान मॉडल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. हिमांशु चोपड़ा ने किया। उन्होंने फार्मासिस्ट दिवस के महत्व के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्ट की भूमिका, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने फार्मासिस्ट शपथ लेकर पेशे के नैतिक मूल्यों, जिम्मेदारियों और समाज के प्रति कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया। मुख्य आकर्षण 'फार्मास्युटिकल उद्योग में अनुसंधान- विकास का एक अवलोकन' विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान रहा। टीवा फार्मास्युटिकल

विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. हिमांशु चोपड़ा, अन्य चित्रों में अपने मॉडलों की उपयोगिता बताते विद्यार्थी।

लिमिटेड, नोएडा के रिसर्च साइंटिस्ट अजय शर्मा ने अनुसंधान-विकास की वर्तमान स्थिति, नवाचार, शोध क्षेत्रों और फार्मेसी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी।

आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि अनुसंधान-विकास नई दवाओं और उपचार पद्धतियों के विकास की आधारशिला है। इससे दवाओं की खोज, गुणवत्ता, प्रभावशीलता और सुरक्षा का वैज्ञानिक अध्ययन होता है, विद्यार्थियों के लिए शोध और नवाचार के अवसर बढ़ते हैं।

क्विज प्रतियोगिता के समन्वयक ऋतिक वर्मा, सौम्यदीप मुखर्जी रहे। मॉडल मेकिंग में बी.फार्मा प्रथम वर्ष के उदित शर्मा, इवान्श झा, देवांश शर्मा और आशीष कुमार की टीम विजेता रही। क्विज में योगिता, गार्गी

अनुसंधान और विकास में करियर अवसरों पर विशेषज्ञ ने दी जानकारी

फार्मासिस्ट की शपथ लेकर विद्यार्थियों ने पेशे की जिम्मेदारी का लिया संकल्प

गौतम, हर्ष पाठक, उद्भव और शिवम शर्मा की टीम प्रथम रही। विजेताओं को ट्रॉफी दी गई। सांस्कृतिक गतिविधियों में मनु शर्मा, कुलदीप सिंह और लक्ष्मीकांत ने सहयोग किया। एंकर शिक्षक अविनाश मिश्रा, मणि सिंह ने संचालन किया। बृज नंदन दुबे, विभा, सुनम साहा, सुरेंद्र शर्मा, लव ठाकुर और बृजेश कुमार शर्मा सहित शिक्षक मौजूद रहे। आयोजन ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पेशेवर प्रतिबद्धता और रचनात्मकता को बढ़ावा दिया।

सार संक्षेप

कोसी की मिस्टी ने स्केटिंग में जीता रजत पदक, स्टेट के लिए चयन

यूनिक समय, कोसीकलां। प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, इस कहावत को सच कर दिखाया है कोसीकलां की होनहार बेटी मिस्टी शर्मा ने महज छोटी सी उम्र में मिस्टी ने अपने स्केट्स के दम पर ऐसा कमाल किया है कि आज पूरा नगर उस पर गर्व कर रहा है। रविवार को आयोजित छठीं मथुरा जिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप-सेलेक्शन ट्रायल फॉर स्टेट में मिस्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। तेज रफ्तार और संतुलन के बेहतरीन नमूने पेश करते हुए उसने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। आयोजकों ने उसे मेडल और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। जिला स्तर पर पदक जीतने के साथ ही मिस्टी का चयन स्टेट चैंपियनशिप के लिए हो गया है। अब वह राज्य स्तर पर मथुरा जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। मिस्टी की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन और मंच मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं। मिस्टी की इस सफलता से परिवार, प्रशिक्षकों और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर 295 यात्रियों की हुई स्वास्थ्य जांच

यमुना एक्सप्रेस–वे पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में यात्रियों की जांच करते चिकित्सक।

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे के मथुरा टोल प्लाजा पर सड़क उपयोगकर्ताओं और यात्रियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 295 यात्रियों और सड़क उपयोगकर्ताओं की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। शिविर का आयोजन जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की ओर से श्रम विभाग, भास्कर हॉस्पिटल और ईएसआईसी के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्घाटन एसडीएम मांट चंद्र भूषण प्रताप, सहायक श्रम आयुक्त राज कुमार सिंह, सीओ वृंदावन संदीप सिंह, जीएम (ओएंडएम–वाईईपी) आनंद बृजराज सिंह, एजीएम टोल भरत सिंह राठौड़ और भास्कर हॉस्पिटल के डॉ. मयंक ने किया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, सीबीसी, एलएफटी, केएफटी, ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल, एचबीए1सी, मलेरिया और टाइफाइड की जांच की गई।

भाजपा नेताओं ने इंटरनेट मीडिया रणनीति पर किया मंथन

भाजपा नेता पार्टी की उपलब्धियों को लेकर बैठक में मंथन करते हुए।

यूनिक समय, कोसीकलां। मिशन 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक गतिविधियों के साथ डिजिटल माध्यम पर भी सक्रियता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को ब्रज क्षेत्र पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया के निवास पर इंटरनेट मीडिया को लेकर बैठक हुई। जिला सह-सोशल मीडिया प्रभारी तेजवीर शर्मा और जिला सह-आईटी प्रभारी गंगेश्वर शर्मा ने डॉ. अमर सिंह पौनिया से मुलाकात कर पार्टी की गतिविधियों, योजनाओं और उपलब्धियों को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा की। बैठक में बूथ स्तर तक डिजिटल संगठन को सक्रिय करने और पार्टी कार्यक्रमों की जानकारी गांव–गांव पहुंचाने की रणनीति पर विचार किया गया। नेताओं ने कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों और सरकार की योजनाओं की जानकारी इंटरनेट मीडिया के जरिए बूथ स्तर तक पहुंचाई जाएगी। गंगेश्वर शर्मा हाल ही में समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय के नेतृत्व में भाजपा में शामिल हुए हैं।

मैथिल ब्राह्मण समाज ने शिक्षा संस्कृति पर किया मंथन

मैथिल ब्राह्मण समाज के लोग बैठक करते हुए।

यूनिक समय, छाता। गांव सांखी में मैथिल ब्राह्मण महासभा की बैठक ब्रह्म कीर्ति रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष वीरपाल मिश्रा के निवास पर हुई। इसमें समाज में शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने और संगठन को मजबूत बनाने पर मंथन किया गया। बैठक में नवनियुक्त जिला कमेटी के पदाधिकारियों का साफा बांधकर स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष वीरपाल मिश्रा ने कहा कि समाज की मजबूती के लिए सभी लोगों को एक मंच पर आकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण के साथ युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में बच्चू सिंह ठेकेदार, गंगेश्वर शर्मा, ज्योतिराम शर्मा, गंभीर शर्मा, गंगाराम, सुभाष, हरकिशन वैद्य, पप्पू, किशन प्रधान और कमल आदि मौजूद रहे।

छाता मिल आंदोलन में हेमंत की एंट्री, बढ़ा किसान दबाव

सैकड़ों समर्थकों संग धरने पर बैठे, किसानों को दिया साथ

गन्ना मंत्री पर उपेक्षा का आरोप, मिल चलाने की मांग तेज

धरने पर बैठे किसानों को संबोधित करते हेमंत गुर्जर।

यूनिक समय, छाता। छाता शुगर मिल चालू कराने की मांग को लेकर किसानों का धरना-प्रदर्शन रविवार को और तेज हो गया। विधानसभा चुनाव में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हेमंत गुर्जर सैकड़ों समर्थकों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों के साथ धरने पर बैठ गए। उनके पहुंचते ही किसानों ने जय जवान–जय किसान के नारे लगाए।

धरना स्थल पर किसानों को संबोधित करते हुए हेमंत गुर्जर ने कहा कि छाता के किसानों की लंबे समय से शुगर मिल चालू कराने की मांग है, लेकिन अभी तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार में गन्ना मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे चौधरी लक्ष्मी नारायण से किसानों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन मिल संचालन को लेकर किसानों को निराशा हाथ लगी है।

हेमंत गुर्जर ने कहा कि छाता क्षेत्र के किसानों की आजीविका में गन्ने की खेती की महत्वपूर्ण भूमिका है। मिल बंद होने के कारण किसानों को अपनी उपज के लिए दूसरे विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह इस आंदोलन में उनके साथ खड़े हैं और शुगर मिल चालू कराने की मांग को लेकर हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। हेमंत गुर्जर के समर्थकों के साथ धरने में शामिल होने से आंदोलन को नया राजनीतिक समर्थन मिला और धरना स्थल पर किसानों की भीड़ बढ़ी। किसानों ने मिल चालू होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कमल किशोर वार्ष्णेय बने सृजन संस्था के अध्यक्ष

सृजन संस्था के अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय के साथ संस्था के अन्य पदाधिकारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। प्रमुख समाजसेवी संस्था सृजन संस्था समाज सेवा संकल्प की साधारण सभा शनिवार को हुई। सभा में प्रमुख समाजसेवी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष-उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय को सर्वसम्मति से संस्था का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

अध्यक्ष चुने जाने पर सदस्यों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और बधाई दी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि सृजन संस्था कुष्ठ रोगियों के स्वस्थ बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए समर्पित है। यह मेरे लिए अध्यक्ष पद नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प है। सभी के सहयोग से संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की। संरक्षक मंडल में डॉ. रोशन लाल अग्रवाल, कृष्णा दयाल अग्रवाल, ओम प्रकाश बंसल, नवीन मित्तल, राजकुमार सिंह एडवोकेट और अशोक टेंटीवाल को शामिल किया गया है। कन्हैया लाल अग्रवाल, जुगल भाटिया, राजकुमार अग्रवाल और सोनल अग्रवाल को उपाध्यक्ष, कुलदीप गुप्ता को महासचिव और शशि भानु गर्ग, नितिन मित्तल, यशपाल सिंह, चंद्र मोहन बंसल को सचिव और प्रभात चौधरी, विष्णुदास अग्रवाल, डा. पुनीत वार्ष्णेय, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पराग गुप्ता एडवोकेट, शशांक पाठक, हरिओम, लोकेश वार्ष्णेय, दीपेंद्र चतुर्वेदी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

रामलीला संस्थान ने किया कार्यक्रम पत्रक का विमोचन

पत्रक का विमोचन करते रामलीला संस्थान के पदाधिकारी।

भव्य तैयारियों का किया ऐलान

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की कच्ची मंडी स्थित जानकी भवन में रामलीला संस्थान ने रविवार को इस वर्ष आयोजित होने वाले ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव के कार्यक्रम पत्रक का विधिवत विमोचन किया गया।

शुभारंभ भगवान श्रीराम के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद संस्था के संयोजक खगेंद्र सिंह बॉबी ठाकुर, अध्यक्ष गिर्राज चौधरी, मंत्री हैप्पी गर्ग, कोषाध्यक्ष अनुराग तायल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम पत्रक का विमोचन किया।

संयोजक बॉबी ठाकुर ने कहा कि इस बार रामलीला का मंचन और भी अधिक भव्य दिव्य और आकर्षक तरीके से किया जाएगा, ताकि दर्शकों को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने बताया कि पत्रक में पूरे रामलीला महोत्सव का दिनवार कार्यक्रम, लीला क्रम, मुख्य अतिथिओं और सहयोगकर्ताओं की सूची का विस्तृत विवरण दिया गया है। मंच, लाइट, साउंड और कलाकारों को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने बताया कि रामलीला के सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंप दी गई है। इस मौके पर कार्तिक चौधरी, मोहन दत्त शर्मा, नवांशु अग्रवाल, लवली वर्मा सभासद, निखिल दीक्षित आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा सोमवार को कोसी में

यूनिक समय, कोसीकलां। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के जन्मस्थान वड़नगर (गुजरात) से शुरू हुई जन आशीर्वाद यात्रा सोमवार को नगर में प्रवेश करेगी। यह जानकारी मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा सोमवार को राजस्थान–उत्तर प्रदेश सीमा से होते हुए नंदगांव पहुंचेगी। दोपहर 12 बजे कोसी नगर पालिका में आगमन होगा। नगर पालिका में यात्रा का स्वागत किया जाएगा। जनचौपाल लगाई जाएगी और स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा।

घर में घुसकर मारपीट, युवक और महिला घायल

यूनिक समय, छाता। खानपुर गांव में घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता दीपक पांडेय के अनुसार, कुलदीप के सिर में गंभीर चोट लगी और वह बेहोश हो गए। पत्नी पार्वती की उंगली भी चोटिल हो गई। बालकिशन, हरिबाबू, देवा, आशा और तीन अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया गया है।

पोस्टर विवाद के बीच बुखरारी पहुंचे मंत्री प्रतिनिधि

नरदेव चौधरी का ग्रामीणों ने ढोल–नगाड़ों के साथ किया स्वागत

समर्थकों ने पोस्टर को लेकर जताई नाराजगी विकास कार्य गिनाए

गांव बुखरारी में मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी का स्वागत करते ग्रामीण।

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव बुखरारी में किसानों के धरने के दौरान गन्ना-चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और उनके प्रतिनिधि नरदेव चौधरी के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्टर जारी होने का मामला चर्चा में है। पोस्टर वायरल होने के बाद मंत्री समर्थकों ने इसे लेकर नाराजगी जताई। कहा कि गांव में विकास कार्यों को लेकर कुछ लोग विवाद पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

समर्थकों के आमंत्रण पर मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी बुखरारी पहुंचे। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। नरदेव चौधरी ने कहा कि बुखरारी उनका परिवार है। कुछ लोग गांव की एकता को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीण पूरे मामले से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने गांव को हमेशा अपना घर माना है और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से वे डरने वाले नहीं हैं और गांव के सम्मान के लिए खड़े रहेंगे। समर्थकों ने कहा कि भाजपा सरकार में गन्ना मंत्री के प्रयासों से बुखरारी में कई विकास कार्य हुए हैं।

स्वागत करने वालों में बॉबी बोहरे, नारायण सिंह, ओम प्रकाश पहलवान, राधा बल्लभ, शंकर लंबरदार, शेरपाल, कलुआ लंबे, महाराज सिंह, लखन पंडित और कन्हैया बोहरे सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

सुविचार

अपने कर्मों से ऐसी पहचान बनाओ जिसे समय भी मिटा न सके कभी।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	08:59-07:14 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती	11:08-10:19 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:09 AM	चन्द्रोदय	07:00 PM
सूर्यास्त		6:10 PM	चंद्रास्त	07:36 AM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM –12:41 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	04:20-05:18
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:39 AM: 09:09 PM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

श्राद्ध के बाद भूलकर भी न करें ये काम

यूनिक समय, मथुरा। पितृ पक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति श्रद्धा अर्पित करने का विशेष समय माना जाता है। इस दौरान परिवारजन दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि के अनुसार श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विधि–विधान से किए गए इन कर्मों से पितरों को शांति और परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी कारण पितृ पक्ष में घर का वातावरण शांत और सात्विक रखने पर जोर दिया जाता है।

पितृ पक्ष में सात्विक माहौल और संयम बनाए रखने पर जोर

विवाद से बचें, जरूरतमंद को भोजन कराएं

दिन में सोने और तामसिक भोजन से बचें

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण के बाद भी कुछ कार्यों से बचने की परंपरा है। मान्यता के अनुसार इन बातों का ध्यान रखने से श्राद्ध कर्म की पवित्रता बनी रहती है।

श्राद्ध कर्म के बाद परिवार में विवाद, बहस और अपशब्दों से बचने की सलाह दी जाती है। बुजुर्गों का सम्मान करने और घर में शांत वातावरण बनाए रखने को महत्वपूर्ण माना गया है।

वहीं, श्राद्ध के दिन घर के द्वार पर कोई जरूरतमंद, भूखा व्यक्ति या पशु–पक्षी आए तो उसे भोजन–पानी देने की परंपरा है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक मान्यता के अनुसार पंचबलि का भी महत्व बताया गया है। ब्राह्मण, गाय, कुत्ते, कौए, चींटी और देवताओं को भोजन कराने के बाद सात्विक भोजन ग्रहण करने की परंपरा कई स्थानों पर है।

मान्यता के अनुसार श्राद्ध या तर्पण के तुरंत बाद दिन में सोने से बचना चाहिए। कुछ परंपराओं में करीब तीन घंटे बाद विश्राम करने की बात कही गई है। पितृ पक्ष में लहसुन, प्याज, मांस और मदिरा जैसे तामसिक पदार्थों से परहेज करने की मान्यता है। इस दौरान सात्विक भोजन और संयमित दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया जाता है।

घर लेने से पहले जांचें मोबाइल नेटवर्क और नेट स्पीड

यूनिक समय, मथुरा। नया मकान या फ्लैट खरीदने अथवा किराए पर लेने से पहले अब सिर्फ लोकेशन, पार्किंग और सुविधाएं ही नहीं, बल्कि मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की गुणवत्ता की जानकारी भी मिल सकेगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग (डीसीआर) प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप शुरू किया है। इसके जरिए किसी प्रॉपर्टी की डिजिटल कनेक्टिविटी की स्थिति जांची जा सकेगी।

ट्राई के अनुसार, उपभोक्ता रेटिंग वाली संपत्ति को उसके नाम, प्रमाणपत्र संख्या या लोकेशन के आधार पर खोज सकेंगे। प्लेटफॉर्म पर संपत्ति का डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित रेटिंग प्रमाणपत्र भी उपलब्ध होगा। प्रमाणपत्र पर दिए गए क्यूआर कोड से उसकी प्रामाणिकता की जांच की जा सकेगी।

रेटिंग प्लेटफॉर्म पर प्रॉपर्टी की डिजिटल कनेक्टिविटी की मिलेगी जानकारी

नाम, प्रमाणपत्र आईडी या लोकेशन से खोज सकेंगे संपत्ति

इस व्यवस्था से खरीदार और किराएदार पहले ही पता कर सकेंगे कि संबंधित भवन में मोबाइल सिग्नल, कॉलिंग और इंटरनेट कनेक्टिविटी कैसी है।

ट्राई का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को तुलनात्मक और सत्यापन योग्य जानकारी मिलेगी। साथ ही बिल्डरों और प्रॉपर्टी प्रबंधन संस्थाओं को शुरुआत से ही बेहतर डिजिटल सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

मरीज की देखभाल में टूटता परिवार का सहारा

यूनिक समय, मथुरा। गंभीर बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति अकेला नहीं लड़ता, उसके साथ पूरा परिवार भी संकट से गुजरता है। लंबे समय तक बिस्तर पर रहने वाले मरीज की देखभाल में परिवार का एक सदस्य अपनी नौकरी, आय, नींद और सामाजिक जीवन तक खो देता है। इसके बावजूद देश में ऐसे मरीजों और उनकी देखभाल करने वाले परिजनों की कोई राष्ट्रीय गिनती नहीं है।

एलएएसआई के विश्लेषण के अनुसार करीब 30 प्रतिशत अनौपचारिक देखभालकर्ताओं में अवसाद के लक्षण पाए गए हैं। इसके बावजूद देखभाल करने वालों के लिए आर्थिक सहायता, राहत–देखभाल, बीमा और नियमित मानसिक स्वास्थ्य जांच की राष्ट्रीय व्यवस्था नहीं है।

धनबाद के कौशल के माता–पिता लंबे समय से बीमार हैं। उनकी देखभाल के चलते 15 वर्षों में 11 नौकरियां छूट गईं। उनका कहना है कि माता–पिता को छोड़ नहीं सकते, इसलिए अपना करियर पीछे छूटता गया। दिल्ली की कंवलजीत ने पति के कैंसर के इलाज के लिए नौकरी छोड़ी और टायर की दुकान तक बेचनी पड़ी। इलाज और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका मानसिक स्वास्थ्य भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार अस्पताल से मरीज के घर लौटने के बाद परिवार के सदस्य पर इलाज और देखभाल का दूसरा चरण शुरू होता है। लगातार तनाव, नींद की कमी और आर्थिक दबाव मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। दुनिया के कई देशों में देखभालकर्ताओं के लिए आर्थिक सहायता, बीमा, कर राहत और कुछ समय की देखभाल–छुट्टी जैसी व्यवस्थाएं हैं। भारत में भी ऐसी व्यवस्था पर विचार जरूरी है, ताकि मरीज की सेवा करने वाला व्यक्ति खुद संकट में न पहुंच जाए।

लंबी बीमारी से परिवार की कमाई, नौकरी और मानसिक सेहत प्रभावित

अनौपचारिक देखभालकर्ताओं में 30 प्रतिशत में अवसाद के लक्षण

देखभाल में छूटती नौकरी बिकती संपत्ति

एआई के दौर में भी पहाड़े क्यों है जरूरी

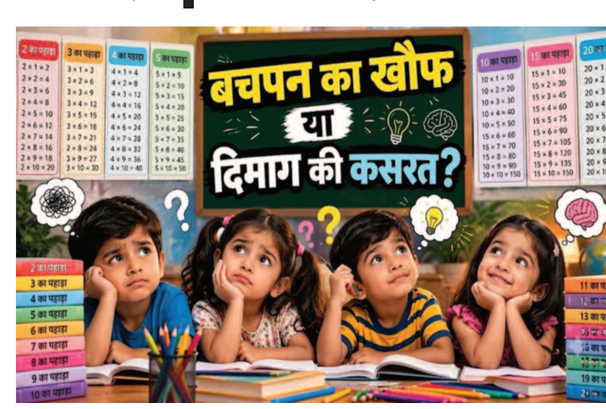

यूनिक समय, मथुरा। एआई और कैलकुलेटर के दौर में भले ही गणना करना आसान हो गया हो, लेकिन शुरुआती गणित सीखने में पहाड़ों की अहमियत अब भी बनी हुई है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में बच्चों को 2 से 20 तक के पहाड़े याद कराने की परंपरा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़े याद होने से सामान्य गुणा–भाग तेजी से करने में मदद मिलती है और गणित के कठिन सवालों पर ध्यान केंद्रित करना आसान होता है।

बार–बार अभ्यास से गणितीय तथ्य लंबे समय तक याद रहते हैं। इसका फायदा केवल परीक्षा में नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी मिलता है। बाजार में खरीदारी, बजट बनाने, छूट का हिसाब लगाने जैसे कामों में मानसिक गणना उपयोगी साबित होती है। इंजीनियरिंग, वित्त और आंकड़ों से जुड़े क्षेत्रों में भी बुनियादी गणित की अच्छी पकड़ मददगार रहती है।

मेंटल मैथ मजबूत करने में मदद करती है पहाड़ों की याददाश्त

रोजमर्रा के हिसाब से लेकर पढ़ाई तक आता काम

बच्चों को पहाड़े याद कराने के लिए केवल रटने के बजाय उनके पैटर्न समझाना, गीत या लय के साथ दोहराना और रोजमर्रा के उदाहरणों में इस्तेमाल कराना उपयोगी तरीका माना जाता है। फ्लैश कार्ड और छोटे अभ्यास भी याददाश्त मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

जितिया व्रत से पहले क्यों हैं साग खाने की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि की कामना से रखा जाने वाला जितिया व्रत इस वर्ष तीन अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह व्रत विशेष रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों में श्रद्धा के साथ रखा जाता है। मान्यता के अनुसार व्रती महिलाएं करीब 24 घंटे से अधिक समय तक निर्जला उपवास करती हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि तीन अक्टूबर की सुबह 4:29 बजे शुरू होकर चार अक्टूबर की सुबह 2:21 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार तीन अक्टूबर को ही व्रत रखा जाएगा। व्रत के दौरान अन्न और पानी का सेवन नहीं किया जाता। अगले दिन सूर्योदय के बाद पारण के साथ व्रत पूरा होता है।

जितिया व्रत से एक दिन पहले साग खाने की परंपरा कई परिवारों में चली आ रही है। धार्मिक मान्यता में इसे व्रत की तैयारी का हिस्सा माना जाता है। अलग–अलग क्षेत्रों और परिवारों में साग की परंपरा तथा उसके प्रकार अलग हो सकते हैं। इसलिए इसे अनिवार्य नियम के बजाय पारंपरिक मान्यता के रूप में देखा जाता है।

व्रत के दौरान पूजा–पाठ और कथा का विशेष महत्व बताया गया है। कई स्थानों पर महिलाएं मिट्टी और गोबर से चील तथा सियारिन की आकृतियां बनाकर पूजा करती हैं। जीमूतवाहन से जुड़ी जितिया व्रत कथा सुनने की भी परंपरा है।

तीन अक्टूबर को रखा जाएगा जितिया व्रत निर्जला रहेंगी माताएं

पितरों की पूजा संग जीमूतवाहन कथा का भी महत्व

जितिया पर्व पर पितरों की पूजा करने की परंपरा भी है। मान्यता है कि पितरों का आशीर्वाद परिवार में सुख–समृद्धि बनाए रखता है। इस बार ब्रह्म मुहूर्त सुबह 6:14 से 7:03 बजे तक और अमृत काल दोपहर 12:35 से 2:05 बजे तक बताया गया है। व्रत को लेकर महिलाओं ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सम्पादकीय

खेतों में कॉलेज के नाम पर डिग्री का कारोबार

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का एक ऐसा चेहरा सामने आया है, जहां कॉलेज तक पहुंचने के लिए सड़क जरूरी नहीं, कक्षा में छात्र जरूरी नहीं और पढ़ाने के लिए शिक्षक भी जरूरी नहीं ! जरूरी है तो प्रवेश, फीस और परीक्षा। डिग्री की गाड़ी व्यवस्था की पटरियों पर आराम से दौड़ती रहती है।

औरैया, फर्रुखाबाद और एटा में सामने आई पड़ताल ने शिक्षा व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कहीं खेतों के बीच कॉलेज, कहीं जंगल जैसे रास्ते और कहीं ऐसी जगह जहां पहुंचना ही किसी परीक्षा से कम नहीं। मगर डिग्री पाने का रास्ता कथित तौर पर आसान है–दस्तावेज भेजिए, फीस जमा कीजिए और परीक्षा के समय पहुंच जाइए।

पवन गौतम
संपादक

सवाल यह है कि ऐसे संस्थानों को मान्यता और संबद्धता मिलती कैसे है? संबद्धता से पहले निरीक्षण की व्यवस्था है, लेकिन उसके बाद कॉलेज वास्तव में चल रहा है या केवल कागजों पर, यह देखने की जिम्मेदारी किसकी है? ऐसा लगता है कि व्यवस्था का निरीक्षण भी प्रवेश के साथ शुरू और संबद्धता के साथ समाप्त हो जाता है। पड़ताल में नियमित कक्षाएं नहीं चलने, छात्रों के केवल परीक्षा और प्रैक्टिकल के समय आने तथा परीक्षा में नकल की 'सेटिंग' जैसे दावे सामने आए हैं।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सिर्फ कुछ कॉलेजों का मामला नहीं रहेगा, बल्कि उस निगरानी तंत्र की भी जवाबदेही तय करनी होगी जिसने ऐसी व्यवस्था को पनपने दिया।

विडंबना यह है कि नियम 75 प्रतिशत उपस्थिति मांगता है, लेकिन छात्र कॉलेज में दिखाई नहीं देता। शिक्षक कागजों पर मौजूद हैं, मगर पढ़ाई का पता नहीं। कक्षा का दरवाजा खुला है, लेकिन ज्ञान अंदर आने का रास्ता शायद बंद है। इसका सबसे बड़ा नुकसान मेहनती विद्यार्थियों को होता है। जो छात्र नियमित पढ़ाई, परीक्षा और मेहनत के बाद डिग्री हासिल करते हैं, उनकी मेहनत की कीमत तब घटती है जब डिग्री ज्ञान का प्रमाणपत्र न रहकर केवल कागज बन जाए। सरकार उच्च शिक्षा गांवों तक पहुंचाना चाहती है, लेकिन कॉलेज खोलना और शिक्षा पहुंचाना एक बात नहीं। अब जरूरत केवल संबद्धता देने की नहीं, बल्कि संबद्धता के बाद लगातार निगरानी की है।

वरना कल सवाल यह नहीं होगा कि कॉलेज में कितनी कक्षाएं हैं, बल्कि यह होगा–डिग्री कितने में मिलेगी?

नजरिया

एलपीयू विवाद : अफवाहों की रफ्तार और सच की धीमी चाल

बोध प्रकाश सगुणी

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में इन दिनों पढ़ाई से ज्यादा चर्चा उस कहानी की हो रही है, जिसकी सच्चाई अभी जांच की फाइलों में बंद है। एक तरफ छात्रों का आरोप है कि जी3 हॉस्टल की एक छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म हुआ। दूसरी तरफ विश्वविद्यालय कह रहा है कि सोशल मीडिया पर झूठ और मनगढ़ंत बातें फैलाई जा रही हैं। पुलिस कह रही है कि शिकायत मिली है, एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है और वैज्ञानिक तरीके से जांच होगी। यानी मामला फिलहाल वहीं खड़ा है, जहां से हर गंभीर जांच शुरू होती है–'आरोप क्या है और सच क्या है?'

लेकिन इस पूरे मामले में एक चीज जरूर बहुत तेजी से दौड़ी–अफवाह। इतनी तेज कि चंडीगढ़–अमृतसर हाईवे भी उसके सामने धीमा दिखाई देने लगा। छात्रों ने हाईवे जाम किया तो यातायात रुक गया, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं का ट्रैफिक नहीं रुका। वहां न लाल बत्ती थी, न पुलिस बैरिकेड और न ही कोई टोल टैक्स। एक पोस्ट निकली और देखते ही देखते हजारों मोबाइलों पर पहुंच गई।

आजकल अफवाह भी बड़ी आधुनिक हो गई है। पहले गांव की चौपाल पर कोई कहता था–'सुना है ऐसा हुआ है।' फिर दूसरा पूछता था–'किसने बताया?' अब किसी से पूछने की जरूरत ही नहीं। मोबाइल पर संदेश आया, नीचे दो–चार विस्मयादिबोधक चिन्ह लगे और मान लिया गया कि खबर पक्की है। अगर संदेश के साथ कोई वीडियो भी लगा हो तो मामला और पक्का समझ लिया जाता है, भले वीडियो का घटना से कोई संबंध हो या न हो।

एलपीयू प्रकरण में सबसे गंभीर बात यही है कि मामला एक छात्रा की सुरक्षा और कथित यौन अपराध से जुड़ा है। ऐसे आरोपों को न तो मजाक में लिया जा सकता है और न ही उन्हें केवल सोशल मीडिया की अफवाह कहकर खारिज किया जा सकता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने और वैज्ञानिक जांच की बात कही है। सीसीटीवी फुटेज, फोन डेटा और फॉरेंसिक साक्ष्यों की जांच की जाएगी। यानी अब असली कहानी पोस्टों से नहीं, प्रमाणों से सामने आएगी।

विश्वविद्यालय का पक्ष भी सामने है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व झूठी और भ्रामक सूचनाएं फैला रहे हैं और इससे छात्रों तथा अभिभावकों में अनावश्यक भ्रम पैदा हो रहा है। विश्वविद्यालय ने लोगों से आधिकारिक माध्यमों से मिलने वाली सूचना पर भरोसा करने की अपील की है।

अब जरा हमारी सूचना व्यवस्था पर भी नजर डालिए। घटना हुई या नहीं हुई, यह जांच का विषय है। लेकिन घटना की खबर जरूर हो गई। घटना की खबर से पहले ही उसके कई संस्करण तैयार हो गए। किसी संस्करण में आरोप बढ़ गए, किसी में परिणाम सामने आ गया और किसी में दोषी भी तय हो गया। जांच अभी शुरू हुई है, लेकिन सोशल मीडिया की अदालत में सुनवाई लगभग पूरी हो चुकी है।

यही हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना है। अदालतें सबूत मांगती हैं, पुलिस बयान मांगती है, जांच एजेंसियां सीसीटीवी और फोन रिकॉर्ड तलाशती हैं, लेकिन सोशल मीडिया को इन सबकी जरूरत नहीं होती। उसे केवल एक वायरल संदेश चाहिए। वह न एफआईआर पढ़ता है, न चार्जशीट और न जांच रिपोर्ट। उसका फैसला 'फॉरवर्डेड' लिखे जाने के साथ ही मान्य हो जाता है।

लेकिन सवाल यह भी है कि अगर छात्रों ने विरोध किया तो वे अचानक सड़क पर क्यों उतरे? किसी छात्र को यह महसूस हो कि उसकी शिकायत नहीं सुनी जा रही, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा को लेकर छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। संवाद का रास्ता जितना मजबूत होगा, सड़क पर उतरने की जरूरत उतनी ही कम होगी।

हां, विरोध का भी एक अनुशासन होता है। हाईवे जाम करने से जांच तेज नहीं होती, बल्कि आम लोगों की परेशानी बढ़ती है। रातभर हंगामा और तोड़फोड़ किसी समस्या का समाधान नहीं है। अगर मांग न्याय की है तो रास्ता भी कानून के भीतर होना चाहिए। वरना मुद्दा पीछे छूट जाता है और हंगामा मुख्य खबर बन जाता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन को भी आत्ममंथन करना चाहिए। बड़े आवासीय परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था केवल गेट पर गार्ड खड़ा कर देने से पूरी नहीं होती। छात्र–छात्राओं की शिकायत सुनने की व्यवस्था, शिकायत पर तत्काल प्रतिक्रिया, हॉस्टल निगरानी, सीसीटीवी और आपातकालीन सहायता तंत्र कितना प्रभावी है, इसकी नियमित समीक्षा होनी चाहिए। सुरक्षा का भरोसा कागज पर नहीं, व्यवस्था में दिखाई देना चाहिए।

पुलिस के सामने भी चुनौती कम नहीं है। उसे एक तरफ छात्रों की शिकायत की निष्पक्ष जांच करनी है और दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट सूचनाओं को अलग करना है। अगर शिकायत सही पाई जाती है तो दोषी के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यदि आरोपों में तथ्य नहीं मिलते और जानबूझकर झूठी सूचना फैलाने की बात सामने आती है, तो उसकी भी जांच होनी चाहिए।

इस पूरे प्रकरण में मीडिया और आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। संवेदनशील मामलों में 'पहले खबर, बाद में पुष्टि' का फार्मूला खतरनाक हो सकता है। खासकर यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ित की पहचान और निजी जानकारी की गोपनीयता सर्वोच्च होनी चाहिए। किसी छात्रा का नाम, तस्वीर या निजी विवरण वायरल करना खबर नहीं, बल्कि उसकी परेशानी बढ़ाना है।

दरअसल, आज जरूरत खबरों की गति बढ़ाने से ज्यादा उनकी विश्वसनीयता बचाने की है। सूचना का युग है, लेकिन सूचना के साथ विवेक भी चाहिए। हर वायरल पोस्ट खबर नहीं होती और हर खंडन भी अंतिम सत्य नहीं होता। दोनों के बीच एक तीसरी चीज होती है–जांच।

एलपीयू प्रकरण में फिलहाल सबसे जिम्मेदार रास्ता यही है कि पुलिस जांच पूरी करे, विश्वविद्यालय छात्रों के साथ संवाद बनाए रखे और छात्र भी संयम बरतें। सच सामने आने में थोड़ा समय लगे तो लगे, लेकिन सच प्रमाण के साथ सामने आए।

क्योंकि अफवाहों का हाईवे चाहे जितना चौड़ा हो, न्याय की सड़क पर आखिरकार सबूत ही चलते हैं। सोशल मीडिया चाहे रातभर दौड़ता रहे, अंतिम फैसला वायरल पोस्ट नहीं, जांच और कानून करेंगे। और यही लोकतांत्रिक समाज की खूबसूरती भी है–वहां शोर बहुत हो सकता है, लेकिन सच को आखिरकार प्रमाण देना ही पड़ता है।

विचार विंडो

डेढ़ फीट पानी में डूब गई विसर्जन की तैयारी

राम प्रकाश वर्मा

गणेश जी को विदा करने की तैयारी ऐसी हुई कि व्यवस्था खुद ही पानी–पानी हो गई। उज्जैन में नगर निगम ने प्रतिमा विसर्जन के लिए स्थान तो तय कर दिया, क्रेन भी खड़ी कर दी और इंतजाम का दावा भी कर दिया, लेकिन जब गणपति बप्पा को जल में विदा करने की बारी आई तो सामने नदी में पानी ही मेहमान निकला। हालत यह रही कि करीब डेढ़ फीट पानी में छोटी–छोटी प्रतिमाएं भी पूरी तरह डूबने के बजाय ऊपर से झांकती नजर आईं। यानी बप्पा विसर्जित कम और व्यवस्था की पोल खोलते ज्यादा दिखाई दिए।

उज्जैन नगर निगम ने केडी पैलेस के पास नदी में प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्था की थी। कागज पर इंतजाम पूरे रहे होंगे, जमीन पर पानी अधूरा रह गया। क्रेन और दूसरे संसाधन तो पहुंच गए, लेकिन जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वही पर्याप्त मात्रा में मौजूद नहीं थी। नदी में करीब डेढ़ फीट पानी देखकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर विसर्जन स्थल तय करने से पहले किसी ने नदी का हाल देखा था या नहीं?

शायद व्यवस्था की योजना बनाने वालों ने यह मान लिया होगा कि गणपति बप्पा खुद पानी लेकर आएंगे। लेकिन आस्था अपने साथ श्रद्धा जरूर लाती है, नदी में जलस्तर नहीं। लिहाजा छोटी प्रतिमाएं भी पानी में समाने के बजाय ऊपर दिखाई देने लगीं। श्रद्धालु देखते रहे और व्यवस्था शायद अपने 'सफल आयोजन' की कल्पना में व्यस्त रही।

मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। पारंपरिक विसर्जन स्थल मंगलनाथ मंदिर के नए पुल पर बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन से रोक दिया गया। आयोजकों और लोगों में नाराजगी बढ़ी। विवाद की स्थिति बनी तो पुलिस को पहुंचना पड़ा। आखिरकार क्रेन के जरिए प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। सवाल यह है कि अगर अंत में क्रेन से ही काम होना था तो पहले से ऐसी स्पष्ट व्यवस्था क्यों नहीं की गई कि श्रद्धालुओं को मौके पर विरोध और विवाद का सामना न करना पड़े?

गणेश उत्सव कोई अचानक आने वाला आयोजन नहीं है। इसकी तारीख पहले से तय होती है। प्रतिमाओं का आकार, संख्या और विसर्जन की संभावित

जरूरतों का अनुमान भी लगाया जा सकता है। फिर भी यदि विसर्जन स्थल पर पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था तो यह केवल जलस्तर की समस्या नहीं, बल्कि तैयारी की गुणवत्ता पर सवाल है।

व्यवस्था का सबसे मजेदार पक्ष यह है कि अक्सर संसाधनों की कमी से ज्यादा 'इंतजाम होने' का दावा बड़ा दिखाई देता है। क्रेन खड़ी कर दीजिए, बैरिकेड लगा दीजिए, कर्मचारी तैनात कर दीजिए और मान लीजिए कि व्यवस्था पूरी हो गई। लेकिन अगर प्रतिमा जल में उतरे और पानी ही कम पड़ जाए तो पूरी तैयारी की असल तस्वीर सामने आ जाती है। देवास में भी कहानी कुछ अलग नहीं रही। कालूखेड़ी तालाब में विसर्जन की व्यवस्था की गई, लेकिन कम बारिश के कारण तालाब में पर्याप्त पानी नहीं है। ऊपर से कचरा जमा है। शुक्रवार रात विसर्जित की गई बड़ी प्रतिमाएं शनिवार सुबह पानी की सतह पर तैरती नजर आईं। जिस तालाब में श्रद्धा की प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक विदा होना था, वहां सुबह लोगों को तैरती प्रतिमाएं दिखाई दीं।

यह दृश्य केवल असुविधा नहीं, व्यवस्था के लिए आईना है। प्रतिमा विसर्जन धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय है। ऐसे में प्रशासन और नगर निकायों से कम से कम इतनी अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि विसर्जन स्थल की वास्तविक स्थिति पहले से जांच ली जाए। यदि किसी तालाब में पानी कम है तो वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। यदि पानी में कचरा है तो सफाई कराई जाए। और यदि बड़े आकार की प्रतिमाएं हैं तो उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक विसर्जन का इंतजाम पहले से किया जाए। विडंबना देखिए–प्रतिमाओं को पानी में पहुंचाने के लिए क्रेन तैयार है, लेकिन पानी कितना है, यह देखने की जरूरत शायद बाद में महसूस हुई। मानो पूरा सिस्टम यह उम्मीद कर रहा हो कि जैसे–तैसे बप्पा खुद ही व्यवस्था संभाल लेंगे। यह मामला केवल उज्जैन या देवास का नहीं है। देशभर में त्योहारों के दौरान नगर निकाय बड़े–बड़े दावे करते हैं। बैठकों में योजनाएं बनती हैं, सूची तैयार होती है, अधिकारी निरीक्षण करते हैं और प्रेस नोट जारी होते हैं। लेकिन असली परीक्षा तब होती है जब श्रद्धालु मौके पर पहुंचते हैं। वहां अगर पानी कम, रास्ता बंद, सफाई अधूरी या सुरक्षा व्यवस्था कमजोर मिलती है तो कागज पर बनी पूरी योजना कुछ मिनट में बेमानी हो जाती है।

त्योहारों की व्यवस्था केवल भीड़ संभालने का नाम नहीं है। इसमें आस्था, पर्यावरण, सुरक्षा और नागरिक सुविधा चारों जुड़े हैं। प्रतिमा विसर्जन के लिए जलस्रोत चुनते समय जलस्तर, स्वच्छता, प्रतिमाओं के आकार और स्थानीय परिस्थितियों का आकलन जरूरी है। केवल 'विसर्जन स्थल निर्धारित' कर देना तैयारी पूरी होने का प्रमाण नहीं हो सकता।

गणपति बप्पा को विदा करते समय श्रद्धालु भावुक होते हैं। उनकी आस्था को ऐसी अव्यवस्था के हवाले करना ठीक नहीं। प्रतिमा पानी में जाए या क्रेन से उतरे, यह तकनीकी विषय हो सकता है, लेकिन उसका सम्मानजनक और सुरक्षित विसर्जन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उज्जैन और देवास की तस्वीर एक छोटा–सा लेकिन बड़ा सवाल छोड़ती है–जब पानी डेढ़ फीट ही था, तो तैयारी कितनी गहरी थी? शायद अगली बार फाइलों में पानी की गहराई भी नाप ली जाए। क्योंकि गणपति बप्पा को विदा करने के लिए सिर्फ क्रेन नहीं, पानी भी चाहिए और तैयारी भी।

गोल्ड से चूकीं अनाहत, फिर भी रचा इतिहास, एशियन गेम्स में जीता सिल्वर

18 साल की भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी महिला सिंगल्स में रजत जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

फाइनल में मलेशिया की शिवसंगरी से मिली हार

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने इतिहास रच दिया है। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियाई खेलों के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में अनाहत को मलेशिया की शिवसंगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ 4-11, 4-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ उनका गोल्ड मेडल जीतने का सपना जरूर टूट गया, लेकिन उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम करते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया। अनाहत एशियन गेम्स के इतिहास में महिला सिंगल्स स्क्वैश में सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। अनाहत का फाइनल तक का सफर शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कई मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। खासतौर पर सेमीफाइनल मुकाबला उनके लिए यादगार रहा, जहां उन्होंने वर्ल्ड नंबर-6 जापान की सतोमी वातानाबे को कड़ी चुनौती दी। अनाहत मुकाबले में शुरुआती दो गेम गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रहीं। उन्होंने दो मैच पॉइंट भी बचाए और शानदार पलटवार करते हुए जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह एशियन गेम्स के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। गोल्ड मेडल मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआती गेम में अनाहत को 11-4 से हराया। दूसरे गेम में भी शिवसंगरी ने रैलियों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और 11-4 से बढ़त बना ली। तीसरे गेम में अनाहत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन शिवसंगरी ने 11-7 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। फाइनल में हार के कारण अनाहत 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने से भी चूक गईं। हालांकि, उनका ऐतिहासिक सिल्वर भारत के स्क्वैश अभियान के लिए अहम उपलब्धि बन गया है। वहीं, पुरुष सिंगल्स में भारत के अभय सिंह भी गोल्ड मेडल से चूक गए। फाइनल में उन्हें मलेशिया के ईन यो एनजी ने 11-9, 11-5, 11-5 से हराया। अभय ने सिल्वर मेडल जीता और वह सौरव घोषाल के बाद इस इवेंट में रजत पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।

सलमान की तारीफ में फातिमा ने पढ़े कसीदे

'बिग बॉस 20' में फातिमा सना शेख ने सलमान खान के ट्रोल्स और बॉडी शेमिंग के खिलाफ स्टैंड की सराहना की

यूनिक समय, नई दिल्ली। फातिमा सना शेख जल्द ही अपनी वेब सीरीज 'हुंकारः द रोर' के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' में नजर आएंगी। शो के आगामी एपिसोड का प्रोमो सामने आया है, जिसमें फातिमा होस्ट सलमान खान की जमकर तारीफ करती दिखाई दे रही हैं। वह खासतौर पर ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग के खिलाफ सलमान के रुख की सराहना करती हैं।

प्रोमो में फातिमा सलमान से कहती हैं कि वह उनसे कुछ कहना चाहती हैं। इसके बाद वह पिछले एपिसोड में ट्रोल्स को दिए गए उनके जवाब की तारीफ करती हैं। फातिमा कहती हैं कि जिस तरह सलमान ने ट्रोल करने वालों को जवाब दिया, वह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि जब सलमान जैसे बड़े मुकाम पर मौजूद व्यक्ति किसी मुद्दे पर खुलकर स्टैंड लेते हैं तो उसका लोगों पर गहरा असर पड़ता है।

दरअसल, पिछले 'वीकेंड का वार' में सलमान खान ने ट्रोल्स और बॉडी शेमिंग करने वालों पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने अपने लुक, बाल और उम्र को लेकर होने वाली ट्रोलिंग का भी जिक्र किया था। सलमान ने बताया था कि उनका मौजूदा हेयरस्टाइल उनकी आने वाली फिल्म के लिए है।

इसके अलावा सलमान ने महिलाओं की बॉडी शेमिंग और एज शेमिंग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को जन्म देने के बाद महिलाओं का वजन बढ़ना सामान्य है। उन्होंने पैपराजी द्वारा महिलाओं की निजी तस्वीरें और वीडियो लेने पर भी आपत्ति जताई थी।

'मोटी' लिखे ब्लाउज में पहुंचीं स्वरा, सहवाग ने पूछा सवाल

बेटी के जन्म के बाद वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर स्वरा ने अपनाया अनोखा अंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'राइज एंड फॉल सीजन 2' शुरू होते ही अपने कंटेस्टेंट्स को लेकर चर्चा में आ गया है। शो में इस बार स्वरा भास्कर, करण पटेल, प्रियंका चाहर चौधरी, गौतम गुलाटी और शहजाद पूनावाला समेत कई चर्चित चेहरे नजर आ रहे हैं। शो के पहले ही एपिसोड में स्वरा भास्कर ने अपने अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया। खास बात उनका पर्पल साड़ी वाला लुक रहा, जिसमें उन्होंने ऐसा ब्लाउज पहना था, जिस पर बड़े अक्षरों में 'मोटी' लिखा हुआ था। स्वरा के इस ब्लाउज को देखकर शो के होस्ट वीरेंद्र सहवाग भी सवाल पूछने से खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने स्वरा से पूछा कि आखिर उन्होंने अपने ब्लाउज पर 'मोटी' क्यों लिखवाया है। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बताया कि यह शब्द उन्होंने बॉडी शेमिंग करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए चुना है।

स्वरा ने बताया कि बेटी के जन्म के बाद उनका वजन बढ़ा और इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उनके मुताबिक, लोग उन्हें 'मोटी' कहने के साथ-साथ 'भैंस', 'हाथी', 'हिप्पो' और 'गाय' जैसे शब्दों से भी बुलाते रहे हैं। ऐसे में उन्होंने इन शब्दों से भागने के बजाय इन्हें अपने अंदाज में स्वीकार करने का फैसला किया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी बेटी अभी तीन साल की है और बेटी के जन्म के बाद से पिछले कुछ वर्षों में उन्हें अपने वजन को लेकर काफी टिप्पणियां सुननी पड़ीं। उन्होंने कहा कि जब लोग उन्हें इन नामों से बुलाते हैं तो अब उन्होंने उन शब्दों को ही अपने ब्लाउज पर लिखकर ट्रोल्स को जवाब दिया है।

स्वरा का यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने बॉडी शेमिंग के खिलाफ अपनी बात रखने के लिए फैशन का सहारा लिया और ट्रोल्स की कही बात को ही अपने आत्मविश्वास का हिस्सा बना दिया। वहीं, 'राइज एंड फॉल 2' में स्वरा सिर्फ अपने लुक को लेकर ही चर्चा में नहीं हैं। शो के पहले एपिसोड में उनकी शहजाद पूनावाला के साथ तीखी बहस भी देखने को मिली। दोनों के बीच बातचीत बढ़ते-बढ़ते करियर और निजी जिंदगी तक पहुंच गई। शहजाद ने स्वरा के पति फहद अहमद का भी जिक्र किया, जिसके बाद शो का माहौल और गर्म हो गया।

कबीर से भिड़ेगी मायरा, अरमान की बेइज्जती पर बेटी ने बदला पाला

अभिरा-अरमान की बेटी नहीं सहेगी माता-पिता का अपमान

कबीर को छोड़ उनके पक्ष में खड़ी होगी मायरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अपकमिंग एपिसोड में रिश्तों के बीच जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा। मायरा और कबीर की लव स्टोरी में एक बड़ा ट्विस्ट आने वाला है। कबीर के लिए अपने प्यार का इजहार करने के बाद मायरा अपने माता-पिता अभिरा और अरमान के खिलाफ खड़ी नजर आई थी। यहां तक कि उसने अभिरा पर पक्षपात करने का आरोप भी लगाया था।

मायरा की बातों से नाराज अरमान अपना आपा खो देगा और गुस्से में बेटी को थप्पड़ मार देगा। इस घटना के बाद कबीर, अरमान के सामने खड़ा हो जाएगा। वह मायरा को थप्पड़ मारने पर अरमान से सवाल करेगा और दोबारा ऐसा नहीं करने की चेतावनी देगा। कबीर का यह रवैया अरमान और अभिरा को बिल्कुल पसंद नहीं आएगा।

हालांकि, कहानी में इसके बाद सबसे बड़ा ट्विस्ट आएगा। कबीर जिस मायरा के लिए अरमान से भिड़ेगा, वही मायरा अचानक उसके खिलाफ हो जाएगी। मायरा को कबीर का उसके माता-पिता से बदतमीजी से बात करना बिल्कुल पसंद नहीं आएगा। वह साफ कहेगी कि वह अपने पिता अरमान और मां अभिरा का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

मायरा का बदला हुआ रुख देखकर कबीर हैरान रह जाएगा और वह बिना कुछ समझे परेशान नजर आएगा। वहीं, अरमान और अभिरा भी बेटी के इस फैसले से चौंक जाएंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि मायरा का अपने माता-पिता के प्रति यह लगाव कबीर के साथ उसके रिश्ते को किस मोड़ पर ले जाता है।

कोहली ने तोड़ा 28 साल पुराना रिकॉर्ड, अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा

वेस्टइंडीज के खिलाफ 44वें वनडे के साथ कोहली बने भारत की ओर से इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे खेलने वाले खिलाड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में मैदान पर उतरते ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उतरते ही कोहली ने पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कोहली का 44वां वनडे मुकाबला है और इसी के साथ वह भारत की ओर से इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए कुल 43 वनडे मुकाबले खेले थे। अब कोहली ने 44वें मैच के साथ उन्हें पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में कपिल देव 42 मैचों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि राहुल द्रविड़ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 40 वनडे खेले हैं। एमएस धोनी और सचिन तेंदुलकर दोनों ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ 39-39 मुकाबले खेले हैं। विराट कोहली के पास इस सीरीज में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए वनडे मुकाबलों में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान शिवनारायण चंद्रपॉल के नाम है। चंद्रपॉल ने 1994 से 2009 के बीच भारत के खिलाफ कुल 46 वनडे मुकाबले खेले थे। अगर कोहली मौजूदा तीन मैचों की सीरीज के सभी मुकाबलों में मैदान पर उतरते हैं तो वह चंद्रपॉल के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। कोहली के पास बल्ले से भी खास रिकॉर्ड बनाने का मौका है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक 9 वनडे शतक लगाए हैं। अगर वह इस सीरीज के पहले मुकाबले में शतक जड़ते हैं तो किसी एक टीम के खिलाफ वनडे में 10 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके अलावा कोहली 15 हजार वनडे रन पूरे करने से भी महज 59 रन दूर हैं। उनके नाम 314 वनडे मैचों में 14,941 रन दर्ज हैं। 59 रन बनाते ही वह वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर हासिल कर चुके हैं।

लगातार बारिश के चलते सोमवार को छुट्टी, डीएम ने जारी किया आदेश

बरेली में बारिश का कहर, सोमवार को स्कूल और कॉलेज बंद

यूनिक समय, बरेली। बरेली में लगातार हो रही बारिश के चलते जिला प्रशासन ने सोमवार को सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखने का आदेश जारी किया है। शुक्रवार से लगातार बारिश का सिलसिला जारी है और रविवार को भी दिनभर रिमझिम बारिश होती रही। खराब मौसम और मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सोमवार को जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित किया है। प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी निर्देश जारी

किए हैं। गांधी जयंती के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान डीएम ने बीएसए और डीआईओएस को निर्देश दिया कि छोटे बच्चों को इन कार्यक्रमों में शामिल न किया जाए, ताकि बारिश के कारण उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। रविवार को बरेली में अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार बारिश के कारण जिले में जलभराव समेत अन्य समस्याओं की आशंका को देखते हुए प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों पर भी एक सप्ताह तक रोक लगा दी है। सार्वजनिक अवकाश समेत सामान्य छुट्टियां स्वीकृत नहीं की जाएंगी। विशेष परिस्थिति में अनुमति लेकर ही अवकाश मिल सकेगा। डीएम ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को मुख्यालय पर उपलब्ध रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी क्षेत्र में अचानक आपात स्थिति बनने पर तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कराया जा सके।

बाढ़ के बीच मैदान में उतरेंगे ईशान आनंद

यूनिक समय, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद अब संगठनात्मक गतिविधियों के साथ जमीनी स्तर पर भी सक्रिय होते नजर आ सकते हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और सूखे से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जरूरत पड़ने पर ईशान आनंद को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने भेजा जा सकता है। मायावती ने यह भी कहा कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के हालात का जायजा लेने खुद भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सकती हैं। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों से कई राज्यों में भारी बारिश, आंधी और तूफान के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की बात कही।

मायावती भी कर सकती हैं प्रभावित इलाकों का दौरा

महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने किसानों समेत प्रभावित लोगों को जमीनी स्तर पर मदद देने की जरूरत बताई। मायावती ने पार्टी संगठन को तीन सेक्टरों में बांटने की जानकारी भी दी। सेक्टर एक में 10 राज्यों की जिम्मेदारी राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और सुरेश राव के पास है, जबकि सेक्टर दो में नौ राज्यों की जिम्मेदारी पूर्व राज्यसभा सांसद राजाराम और पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभाल रहे हैं। सेक्टर तीन लखनऊस्थित पार्टी केंद्रीय कैंप कार्यालय के अधीन है। उन्होंने चारों केंद्रीय सेक्टर प्रभारियों से बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए सक्रिय रहने को कहा है। साथ ही राहत कार्य के नाम पर चंदा जुटाने से मना किया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर सील दुकानों के ताले लोगों ने काटे

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के हस्तिनापुर कस्बे में हाईकोर्ट के आदेश पर सील की गईं करोड़ों रुपये की विवादित दुकानों के ताले देर रात कटर से काट दिए गए। मामला थाना परिसर से करीब 50 मीटर दूर मुख्य मार्ग पर स्थित तीन दुकानों का है। करीब डेढ़ वर्ष पहले तहसील प्रशासन, नगर पंचायत और पुलिस की मौजूदगी में इन दुकानों को सील किया गया था। शनिवार देर रात कुछ लोगों ने दुकानों के बाहर लगे सीलयुक्त तालों को कटर से काट दिया। घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, भूमि को लेकर विवाद हाईकोर्ट में विचाराधीन है। वर्ष 2025 में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पैमाइश और जांच की थी। अधिकारियों के अनुसार,

थाने से महज 50 मीटर दूर देर रात हुई घटना

सरकारी भूमि पर कब्जे से संबंधित मामला सामने आने के बाद भूमि को अलग किया गया था और इसी हिस्से में बनी तीन दुकानों को न्यायालय के निर्देश पर सील कर यथास्थिति बनाए रखने को कहा गया था। ताले काटे जाने के बाद दोबारा कब्जे के प्रयास की आशंका जताई जा रही है। एसडीएम ने नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी को अवैध रूप से सील हटाने वालों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दुकानों पर दोबारा ताला लगाने को कहा गया है। घटना के बाद प्रशासनिक कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

आईएएस छोड़ने के बाद क्या करेंगी दिव्या मित्तल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की चर्चित पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल अब अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। आईएएस से इस्तीफा देने के बाद उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दिव्या ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि वह 29 सितंबर को सुबह 8:30 बजे अपने अगले प्लान का खुलासा करेंगी। उन्होंने लिखा, "बच्चे छोटे हैं। अब घर। अच्छा पैकेज मिलेगा। वापस विदेश। आईएएस पर किताब लिखी है। कोचिंग। टिकट पक्का हो गया होगा। राजनीति। 29 सितंबर, सुबह 8:30 बजे बताऊंगी।" उनके इस पोस्ट के बाद राजनीति में जाने, कोचिंग शुरू करने या विदेश में नौकरी करने जैसी संभावनाओं को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, दिव्या ने अभी अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है। दिव्या मित्तल ने 30 अगस्त को आईएएस पद से इस्तीफा दिया था, जिसे राज्य सरकार ने 14 सितंबर को मंजूर किया। वह 2013 बैच की आईएएस अधिकारी रही हैं

29 सितंबर को सुबह 8:30 बजे करेंगी ऐलान

राजनीति से लेकर कोचिंग और विदेश तक के दिए संकेत

और कई जिलों में जिलाधिकारी के तौर पर जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। इस्तीफे के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में अपने 13 साल के प्रशासनिक सफर को यादगार बताया था।

उनके करियर में आईआईटी दिल्ली से इंजीनियरिंग, आईआईएम बैंगलोर से एमबीए और लंदन में खढ मॉर्गन के साथ काम करने का अनुभव भी शामिल है। अब सभी की नजर 29 सितंबर की सुबह

सरयू का कहर, मस्जिद का बड़ा हिस्सा नदी में समाया

यूनिक समय, बाराबंकी। बाराबंकी में सरयू नदी के उफान ने हालात चिंताजनक कर दिए हैं। नेपाल के बैराजों से पानी छोड़े जाने और लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ कटान भी तेज हो गया है। रामनगर क्षेत्र के हेतमापुर गांव में पिछले करीब 15 दिनों से जारी कटान के चलते नदी के मुहाने पर बनी मस्जिद का बड़ा हिस्सा नदी में समा चुका है। अब सदियों पुराने आस्था केंद्र बाबा नारायण दास धाम पर भी संकट मंडरा रहा है। तेज कटान करते हुए सरयू की धारा मंदिर की सीमा तक पहुंच गई है, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। करीब 15 दिन पहले भी जब कटान ने रफ्तार पकड़ी थी, तब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बाबा नारायण दास धाम को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए थे। इसके बाद सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता और जिला प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया

15 दिन से जारी कटान ने बढ़ाई चिंता, धाम को बचाने के लिए प्रशासन और सिंचाई विभाग की टीमें मौके पर

था। अब दोबारा कटान तेज होने के बाद प्रशासनिक अमला हेतमापुर में डटा हुआ है। नदी लगातार धाम की ओर जमीन काट रही है और अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। एडीएम निरंकार सिंह ने बताया कि वह मौके पर मौजूद हैं और कटान रोकने के लिए जरूरी प्रयास किए जा रहे हैं। सिंचाई विभाग की टीम भी बचाव कार्य में जुटी है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कटान की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो धाम के अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। प्रशासन फिलहाल नदी की धारा और कटान की स्थिति पर लगातार निगरानी कर रहा है।

गोरखपुर में जलभराव पर अखिलेश यादव का तंज

बोले, 'सैफई से प्रेरणा ली होती तो शहर मॉडल बन जाता

बारिश के बाद जलभराव को लेकर सीएम योगी पर साधा निशाना

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर में बारिश के बाद हुए जलभराव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "अगर सैफई से ही प्रेरणा ली

होती तो ये शहर भी मॉडल बन गया होता।" अखिलेश ने कहा कि बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि गोरखपुर में विकास के बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरने से जमीनी स्थिति सामने आ जाती है। अखिलेश ने यह भी कटाक्ष किया कि जहां मेट्रो चलाने की बातें की जा रही थीं, वहां बारिश के बाद नाव चलाने की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था और जल निकासी को लेकर भी सवाल उठाए। अखिलेश ने भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों पर भी निशाना साधते हुए गांवों को गोद लेने की घोषणाओं का जिक्र किया और कहा कि केवल घोषणाओं से विकास नहीं होता, बल्कि उसका असर जमीन पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का भी उल्लेख किया, जिसमें सांसद रवि किशन और भाजपा के एक पार्षद से जुड़ा दृश्य बताया गया। इसके अलावा अखिलेश यादव ने नोएडा और 2022 के विधानसभा चुनाव से जुड़े अपने पुराने "वोट चोरी" के आरोपों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर उनकी पार्टी लगातार सवाल उठाती रही है। हालांकि, उनके इन आरोपों को उनके राजनीतिक दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए। गोरखपुर में जलभराव को लेकर अखिलेश के बयान के बाद प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है।

छात्रा से दुष्कर्म और मौत की खबर पर एलपीयू में मचा बवाल

छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ कर हाईवे किया जाम

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एसआईटी का गठन किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में छात्रा से दुष्कर्म के आरोप और उसकी मौत की खबर को लेकर रविवार को भी हंगामा जारी रहा। सोशल मीडिया पर शनिवार रात एक संदेश वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जुट गए। छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगाने की घटना सामने आई। इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्रों ने दिल्ली-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देकर यातायात रोक दिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीआईजी नवीन सिंगला ने बताया कि जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है, जिसमें पांच छात्र भी शामिल हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि एफआईआर की प्रति मिलने के बाद हाईवे से जाम हटाया जाएगा।

छात्रों का आरोप है कि एक छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ था और बाद में उसने आत्महत्या कर ली। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और संदेशों में छात्रा द्वारा कथित तौर पर शिकायत किए जाने की बात कही जा रही है। छात्रों का यह भी आरोप है कि शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं हुई। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। छात्रों ने विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। हंगामे के दौरान मुख्य गेट, सीसीटीवी कैमरों और परिसर की अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने दुष्कर्म के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा न करें। पुलिस की जांच और एसआईटी की रिपोर्ट से मामले के तथ्य स्पष्ट होने की उम्मीद है।

उत्तराखंड में गंगा उफनी बिहार में बाढ़ से संकट

केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन से चार हजार यात्री फंसे

कोसी-गंडक उफनी कई गांव बाढ़ से घिरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड और बिहार में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण ऋषिकेश में गंगा नदी चेतावनी स्तर को पार कर गई है। घाटों पर लोगों के जाने पर रोक लगा दी गई है। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से करीब चार हजार श्रद्धालुओं के फंसे होने की सूचना है। खराब मौसम के चलते रविवार को केदारनाथ यात्रा रोक दी गई और हेली सेवाएं भी बंद रहीं।

मौसम विभाग ने देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है। उत्तरकाशी के सीमांत क्षेत्र नेलांग-जादुंग में भारी बर्फबारी भी हुई है।

हिमाचल प्रदेश में भी मौसम ने करवट ली है। किन्नौर की उंची चोटियों पर बर्फबारी हुई है। पूह के कुन्नू और छितकुल में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। शिमला और कल्पा समेत कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में पिछले 72 घंटे से बारिश का दौर जारी है। नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कोसी और गंडक नदियां उफान पर हैं। इससे कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। सुपौल के करीब 50 गांवों में पानी घुसने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है। प्रशासन प्रभावित इलाकों में निगरानी और राहत कार्यों में जुटा है।

असम में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका हिरासत में

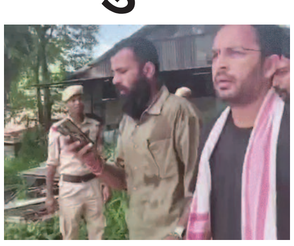

स्वयंसेवक बैठक में पहुंचने से पहले पुलिस ने रोका

संगठन ने लगाया सवाल उठाने से रोकने का आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी में रविवार को प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की स्वयंसेवक बैठक से पहले पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत कई कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया। सीजेपी ने आरोप लगाया कि पुलिस रांका और अन्य स्वयंसेवकों को बैठक में शामिल होने से पहले अपने साथ ले गई। हालांकि, हिरासत की वजह को लेकर पुलिस की ओर से तत्काल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

रांका ने आरोप लगाया कि असम में सरकार स्कूलों, काजीरंगा और बाढ़ जैसे मुद्दों पर सवाल उठाने से रोकना चाहती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में सीजेपी के सदस्यों को धमकियां दी जा रही हैं। रांका शनिवार से असम में थे और रविवार को होने वाली स्वयंसेवक बैठक में शामिल होने वाले थे।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस रांका और पार्टी की टीम को किसी अज्ञात स्थान पर ले गई। उनके अनुसार, टीम गुवाहाटी में एक छोटी स्वयंसेवक बैठक में शामिल होने जा रही थी। सीजेपी ने सभी हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग की है।

चुनाव आयोग ने नौ फैसलों में कामकाज के नियम बदले

बैठकों का एजेंडा पहले साझा होगा, फैसलों का रिकॉर्ड बनेगा

नए आईटी तंत्र की स्वतंत्र विशेषज्ञों से होगी जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे सवालों के बीच चुनाव आयोग ने 26 सितंबर की बैठक में अपने कामकाज और चुनावी व्यवस्था से जुड़े नौ फैसले किए। आयोग के अनुसार, अब बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और निर्णयों का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। नए डिजिटल तंत्र और पोर्टल लागू करने से पहले उनकी समीक्षा भी होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी की बैठक में एसआईआर से जुड़े फैसलों को सर्वसम्मति से लिए जाने की बात कही गई। यह बैठक आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बीच हुई।

आयोग ने ईसीआईनेट की जांच के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनाने की बात कही है। इसमें आईआईटी या आईआईआईटी के स्वतंत्र विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाएगा। आयोग ने कहा कि एसआईआर में छूटे मतदाता लगातार चलने वाली प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 से नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस ने आयोग के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाते हुए एसआईआर रोकने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया है।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का किया उल्लेख

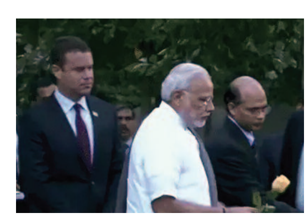

सर्जिकल स्ट्राइक के दस साल पूरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का उदाहरण बताया। उन्होंने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर आगे बढ़ रहा है और आतंकी हमले का जवाब देने का अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। उन्होंने दिल्ली के 2008 सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने जनगणना को राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की। उन्होंने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति अभियान में युवाओं की भागीदारी का भी उल्लेख किया। असम में पिग्मी हॉग संरक्षण और हाथियों के पुराने क्षेत्र में लौटने का उदाहरण देते हुए उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया।

चार साल में 111 सांसद-विधायकों ने बदली पार्टी

29 नेता भाजपा में गए 32 ने एनपीएफ का दामन थामा

नागालैंड में सबसे अधिक 32, बंगाल में 20 मामले

यूनिक समय, नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट के अनुसार 2022 से 2026 के बीच चुनाव जीतने के बाद 111 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपनी पार्टी बदली। इनमें 26 लोकसभा सांसद, सात राज्यसभा सांसद और 78 विधायक शामिल हैं। रिपोर्ट में चुनाव और उपचुनाव के दौरान हुए दल परिवर्तन के मामलों का विश्लेषण किया गया है।

एडीआर के मुताबिक नगालैंड में पार्टी बदलने के सबसे ज्यादा 32 मामले सामने आए। इनमें 25 विधायक पहले एनडीपीपी से निर्वाचित हुए थे और बाद में एनपीएफ में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल 20 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी पार्टियों में शामिल होने वाले 111 नेताओं में 29 यानी 26 प्रतिशत भाजपा में गए। एनपीएफ में 32 और नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में 20 नेता शामिल हुए। कांग्रेस में जाने वाले नेताओं की संख्या नौ रही।

रिपोर्ट में बताया गया कि जिन दलों से सबसे ज्यादा नेता बाहर गए, उनमें एनडीपीपी के 25, तृणमूल कांग्रेस के 20 और कांग्रेस के 19 नेता शामिल हैं। इनके अलावा बीआरएस से नौ, आप और एनसीपी से सात-सात तथा शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से छह नेताओं ने पार्टी बदली।

एडीआर ने कहा कि उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों का कोई व्यवस्थित डेटाबेस नहीं होने के कारण सूची पूरी तरह अंतिम नहीं मानी जा सकती। संगठन ने दलबदल से जुड़ी अयोग्यता पर फैसला लेने की व्यवस्था में बदलाव और निर्णय के लिए समयसीमा तय करने जैसे सुझाव भी दिए हैं।

अस्पताल के मलबे से निकले मुज्तबा खामेनेई, रिपोर्ट का दावा

हमलों के बाद तीन अस्पतालों को निशाना बनाने का दावा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई को लेकर एक रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी और इजरायली हमलों के दौरान तेहरान के एक अस्पताल को निशाना बनाया गया, जहां मुज्तबा खामेनेई इलाज करा रहे थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमले के बाद उन्हें अस्पताल के मलबे से बाहर निकाला गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसेन हैदरी ने कतरी चैनल 'अल अरबी' को दिए साक्षात्कार में कहा कि मुज्तबा को घायल होने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी हुई और वे तीसरे अस्पताल में मौजूद थे। हैदरी के अनुसार, मलबे से निकाले जाने के बाद मुज्तबा खामेनेई को एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद से वे सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं।

रिपोर्ट में उनके सर्वोच्च नेता चुने जाने की प्रक्रिया का भी उल्लेख है। दावा है कि 59 सदस्यों में से 50 ने उनके पक्ष में मतदान किया था। हालांकि, मुज्तबा की मौजूदा स्थिति को लेकर स्वतंत्र पुष्टि का उल्लेख रिपोर्ट में नहीं है।

शिक्षकों के एनपीएस एरियर पर गरमाया मुद्दा, आंदोलन तय

लंबित मामलों और कार्यालयी मनमानी पर शिक्षकों ने जताया रोष

समस्याएं नहीं सुलझीं तो चरणबद्ध आंदोलन होगा और तेज

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक रविवार को जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज में हुई। इसमें एनपीएस एरियर, वेतन–सेवा संबंधी मामलों और जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा हुई। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन तेज करने की रणनीति बनाई गई।

प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह राणा ने कहा कि एनपीएस एरियर समेत शिक्षकों के अधिकारों से जुड़े मामलों में देरी चिंता का विषय है। मंडलीय मंत्री जयप्रकाश शर्मा ने कार्यालय में कुछ बाबुओं के कार्य व्यवहार और लंबित प्रकरणों में अनावश्यक देरी का मुद्दा उठाया।

उपाध्यक्ष मनोज सिंह छौंकर ने संबद्ध लिपिकों की कार्यप्रणाली की जांच और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष शिवकुमार सिंह ने कहा कि एनपीएस एरियर शिक्षकों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

संगठन लंबित मामलों का विवरण जुटाकर अधिकारियों के समक्ष रखेगा और प्रगति पर नजर रखेगा। उन्होंने शिक्षकों से दस्तावेज संगठन को उपलब्ध कराने की अपील की।

बैठक में राकेश ठकुरेला, प्रमोद कुमार पटेल, दिग्विजय लाल श्रीवास्तव, इरशाद अहमद सिद्दीकी, विधानचंद्र वर्मा, रामदेव सिंह, जीवन लाल, दिनेश यादव, सौरभ कुमार, भागवत चौहान, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, रोहिताश कुमार, संजय कुमार, रजनीश जायसवाल, अमित कुमार, समर बहादुर, उमाशंकर, शैलेंद्र कुमार, जितेंद्र सिंह सेगर, अनिल कुमार विश्वकर्मा, बलदेव प्रसाद, शिशिर कुमार पटेल, सुनील कुमार, जयंत कुमार, अवधेश कुमार पटेल, अजय कुमार, सत्येंद्र सिंह, रिहान अली, डॉ. राजेश प्रजापति, पारुल देवी, मोनी सिंह, प्रतिज्ञा सिंह, डॉ. राजीव कुमार, भूपेंद्र सिंह, डालचंद कुशवाहा, रंजीत सेमल, रामगोपाल, चंद्रकांत दीक्षित, दशरथ सिंह, विमल लता सिंह, गोविंद त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण यादव, विशंभर दयाल, हरी सिंह, लोकेश कुमार, रामाश्रय यादव, शिव आधार सिंह यादव, सुनील कुमार वर्मा, शालिनी शर्मा, शिल्पी श्रीवास्तव, डॉ. अंजू राय आदि मौजूद रहे।

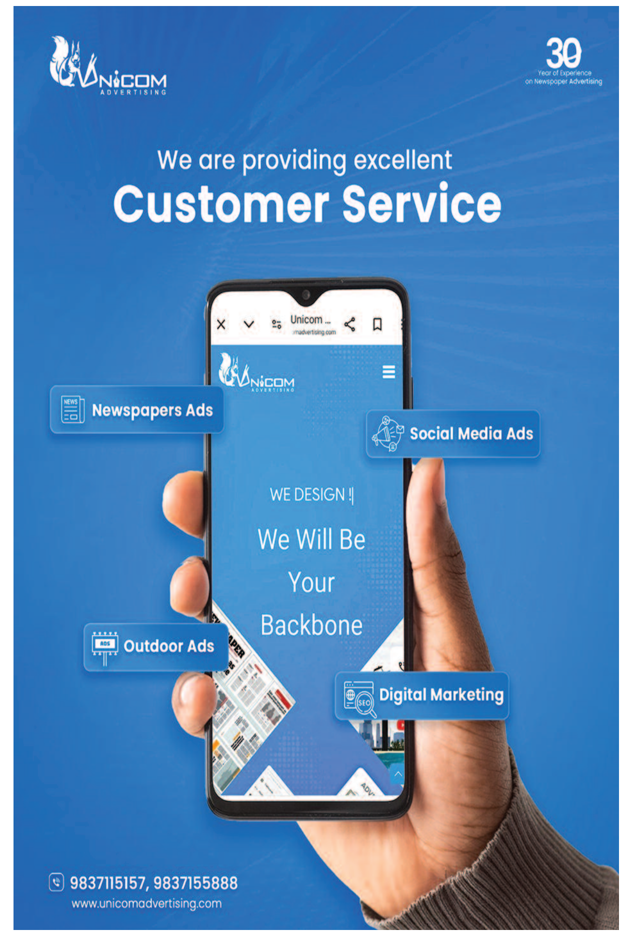

स्वच्छता अभियान में भाजपाइयों ने किया श्रमदान

विशेष सफाई अभियान में श्रमदान करते कार्यकर्ता।

होली गेट मंडल के कार्यकर्ताओं ने चलाया विशेष सफाई अभियान

द्वारकाधीश मंदिर से कोतवाली रोड तक हुई सफाई

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत 'मेरी सेवा, मेरा योगदान' कार्यक्रम में होली गेट मंडल के कार्यकर्ताओं ने वार्ड 61 और 64 में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। द्वारकाधीश मंदिर से कोतवाली रोड, खरना तक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर सफाई की और लोगों से आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

अभियान में भाजपा मथुरा महानगर उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक, वार्ड 64 पार्षद बालकृष्ण चतुर्वेदी, मंडल महामंत्री नितिन चतुर्वेदी, मंडल मंत्री अभिषेक चतुर्वेदी, पूर्व पार्षद रामदास चतुर्वेदी, पार्षद शिवकुमार रावत, अनिल चतुर्वेदी, लक्ष्मण चतुर्वेदी, सुनील चतुर्वेदी, कृष्णा चतुर्वेदी, अशोक गुप्ता, कन्हैया, ऋषभ सक्सेना, अर्जुन सोनी और अंबिका प्रसाद सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्वच्छता सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वच्छ और सुंदर मथुरा के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया।

मड़ोई में डेढ़ सौ साल पुरानी परंपरा निभाई

दतिया राज परिवार के वंशज विधायक घनश्याम सिंह बने अतिथि

सवा पांच किलो स्वर्ण मुकुट से हुआ पारंपरिक स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम मड़ोई में करीब 150 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक परंपरा के तहत पुण्यतिथि समारोह श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि दतिया राजपरिवार के वंशज और विधायक राजा घनश्याम सिंह रहे, जबकि वरिष्ठ अतिथि कुंवर नरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

आयोजकों के अनुसार, दतिया के महाराज भवानी सिंह को संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी। वरिष्ठ अधिवक्ता नंद किशोर उपमन्यु के परबाबा ने उन्हें बीज मंत्र प्रदान किया, जिसके बाद उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। इसी कृतज्ञता में महाराज भवानी सिंह के पौत्र महाराज गोविंद सिंह ने सवा पांच किलोग्राम का स्वर्ण मुकुट बनवाकर मंदिर की गद्दी को भेंट किया था। परंपरा के अनुसार, मंदिर सेवायतों और श्रद्धालुओं ने इसी स्वर्ण मुकुट से राजा घनश्याम सिंह का स्वागत किया। इसके बाद श्री राधा–कृष्ण मंदिर में पूजा–अर्चना और आरती हुई। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे। राजा घनश्याम सिंह ने आयोजकों और सेवायतों का आभार जताया।

ग्राहक बनकर आया ठग, दो लाख के जेवर लेकर फरार

कपड़े खरीदने के बहाने काउंटर से बैग उठाया

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र के चौक बाजार में ग्राहक बनकर पहुंचे एक व्यक्ति ने दुकानदार की आंखों के सामने करीब दो लाख रुपये कीमत के जेवर से भरा बैग पार कर दिया। चोरी की वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान में जुटी है।

चौक बाजार निवासी व्यापारी आशीष सोनी के अनुसार, गुरुवार दोपहर उनकी मां ने उन्हें एक बैग दिया था। इसमें उनकी बहन की ज्वैलरी रखी थी, जिसे मरम्मत के लिए दिया जाना था। आशीष ने बैग दुकान के काउंटर पर रख दिया। कुछ देर बाद एक व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान में आया और कपड़े खरीदने लगा।

आरोपी ने सामान के पैकेट के साथ काउंटर पर रखा ज्वैलरी वाला बैग भी बड़ी सफाई से उठा लिया और दुकान से निकल गया। उस समय दुकानदार को इसकी भनक तक नहीं लगी। अगले दिन बैग के बारे में पूछे जाने पर सीसीटीवी फुटेज देखी गई, तब चोरी का पता चला।

पीड़ित व्यापारी ने पुलिस से आरोपी की गिरफ्तारी और जेवर बरामद करने की मांग की है। पुलिस फुटेज के आधार पर जांच कर रही है।

पंचायती जैन मंदिर में श्रद्धा से मनाया क्षमावाणी पर्व

क्षमावाणी पर्व पर एक–दूसरे से गलतियों की क्षमा मांगते जैन बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। दिगंबर जैन धर्म के पवित्र दशलक्षण महापर्व के समापन के बाद रविवार को घीया मंडी स्थित श्री चंद्रप्रभु पंचायती दिगंबर जैन मंदिर में क्षमावाणी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

मंदिर परिसर में पूजन-अर्चना, कलशाभिषेक, सम्मान समारोह और सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर पर्व की आध्यात्मिक गरिमा बढ़ाई। जैन धर्म में क्षमावाणी पर्व को आत्मशुद्धि और संयम से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। समाजबंधुओं ने 'मिच्छामि दुक्कडम' कहकर परस्पर वैर–विरोध समाप्त कर प्रेम, मैत्री और सौहार्द का संकल्प लिया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव जैन ने समाजबंधुओं को क्षमावाणी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षमा मनुष्य के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने वाली भावना है। पर्व के संदेश को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर जीवन और व्यवहार में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने एक–दूसरे से क्षमा याचना की।

वक्ताओं ने कहा कि क्षमावाणी आत्मशुद्धि, विनम्रता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज और 'मिच्छामि दुक्कडम' के साथ हुआ।

अग्रवाल सम्मेलन में सामाजिक–राजनीतिक प्रस्तावों पर बनी सहमति

मथुरा के योगेन्द्र गोयल ब्रजक्षेत्र चेयरमैन, शशिभानु गर्ग वरिष्ठ उपाध्यक्ष

अग्रवाल समाज ने 15 विधानसभा सीटों पर दावेदारी का प्रस्ताव रखा

योगेन्द्र गोयल

शशिभानु गर्ग

चिराग अग्रवाल

ताराचंद्र अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। आगरा के अग्रवन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ब्रजक्षेत्र का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। 13 जिलों से आए अग्रबंधुओं की मौजूदगी में सामाजिक और राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए। मथुरा के समाजसेवी योगेन्द्र गोयल को ब्रजक्षेत्र चेयरमैन, शशिभानु गर्ग को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चिराग अग्रवाल को उपाध्यक्ष और ताराचन्द अग्रवाल को संगठन मंत्री बनाया गया। सम्मेलन के राष्ट्रीय महासचिव गोपाल राय, राष्ट्रीय मंत्री विनय अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नत्थूराम जैन और राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनोद कुमार गुप्ता ने योगेन्द्र गोयल सहित ब्रजक्षेत्र के 48 पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

वक्ताओं ने सम्पूर्ण भारत में 10 करोड़ और उत्तर प्रदेश में दो करोड़ से अधिक अग्रवालों को संगठित करने, विभिन्न स्थानों पर कुल पुरोधा महाराजा अग्रसेन के मंदिर बनवाने और प्रत्येक अग्रवाल परिवार के मुख्य मंदिर में अग्रसेन जी की छवि स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। राम मंदिर आंदोलन के महानायक स्व. अशोक सिंघल की अयोध्या धाम में 100 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी की गई। व्यापारी सुरक्षा–व्यापार आयोग, व्यापारी आयुक्त की नियुक्ति और गैर–जमानती धाराओं वाले विशेष व्यापारी संरक्षण अधिनियम को लागू करने की मांग उठी। ईमानदार प्रशासनिक अधिकारी दिव्या मित्तल के उत्पीड़न की निंदा करते हुए कहा गया कि उन्हें स्वैच्छिक अवकाश लेना पड़ा।

राजनीतिक प्रस्ताव में ब्रज क्षेत्र के 13 जिलों में प्रत्येक विधानसभा सीट पर 25 हजार से 1.50 लाख अग्रवाल मतदाताओं का दावा करते हुए कम से कम 15 विधानसभा टिकटों पर दावेदारी का प्रस्ताव रखा गया। समाज ने किसी दल का पिछलग्गू नहीं बनने और सम्मान देने वाले दल को सहयोग करने की बात कही। प्रस्तावों का जनसमूह ने तालियों से समर्थन किया।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशिभानु गर्ग ने बताया कि शीघ्र मथुरा में प्रदेश का अमृतकुंभ आयोजित होगा, जिसमें करीब 50 हजार अग्रबंधु, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और समाज के महानायक शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने की। संचालन कपिल अग्रवाल और विवेक गर्ग ने किया।